घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 19- बुधवार 19- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

आंध्र प्रदेश : मुठभेड़ में मोस्ट वांटेड हिडमा व उसकी पत्नी समेत छह माओवादी ढेर

राजमुंद्री/मारेडुमिली,18 नवम्बर 2025। आंध्र प्रदेश के राजमुंद्री के निकट अल्लूरी सीताराम राजू जिले के मारेडुमिली वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में छह माओवादी मार गिराए हैं। इनमें मोस्ट वांटेड माओवादी नेता और केंद्रीय समिति के सदस्य माडवी हिडमा और उसकी पत्नी राजक्का भी शामिल हैं। हिडमा पर एक करोड़ और उसकी पत्नी पर पचास लाख रुपये का इनाम था। आंध्र प्रदेश के पुलिस महानिदेशक हरीश कुमार गुप्ता ने बताया कि आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के सीमावर्ती इलाकों में माओवादियों की गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबल ने मंगलवार सुबह छह बजे से इलाके में तलाशी अभियान चलाया था। इसके चलते उत्तर आंध्र में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि मारेडुमिली वन क्षेत्र में माओवादियों ने सुरक्षाबल को देखकर फायरिंग कर दी। इसके जवाब में सुरक्षाबलों ने जवाबी फायरिंग की। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने छह माओवादियों को ढेर कर दिया। गए लोगों की पहचान मोस्ट वांटेड माओवादी नेता और केंद्रीय समिति के सदस्य माडवी हिडमा,उसकी पत्नी राजक्का के अलावा उसके साथी मल्ला,देवे,चेल्लूरी नारायण उर्फ सुरेश और टेक शंकर के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि हिडमा पर एक करोड़ और उसकी पत्नी राजक्का पर पचास लाख रुपये का इनाम था। राजक्का वर्ष 2010 में सुकमा में 25 सीआरपीएफ जवान के बलिदान होने वाली मुठभेड़ में भी शामिल थी। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के पुरवती गांव में जन्मे माडवी हिडमा बस्तर क्षेत्र में कम उम्र में ही माओवादी केंद्रीय समिति के सदस्य बन गया था। उसे गुरिल्ला हमलों के रणनीतिकार के रूप में जाना जाता था। वह पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी के कमांडर और दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का सदस्य भी रहा है। हिडमा 26 हमलों के मामले में मुख्य आरोपित था। आरोप है कि हिडमा ने सुरक्षा बलों पर हुए कई हमलों का नेतृत्व किया था। वह हिंदी,गोंडी,तेलुगु, कोया और बंगाली भाषाओं में पारंगत था।

अमित शाह ने सुरक्षा बलों को सफल ऑपरेशन के लिए दी बधाई...

सुरक्षाबलों को नक्सलियों के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। कुख्यात नक्सली कमांडर माडवी हिडमा को एनकाउंटर में मार गिराया गया। हिडमा पर कुल मिलाकर एक करोड़ रुपये से अधिक का इनाम था। गृह मंत्री अमित शाह ने 30 नवंबर 2025 की डेडलाइन रखी थी,उससे पहले सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली। गृह मंत्री अमित शाह ने आला सुरक्षा अधिकारियों से बात की और उन्हें सफल ऑपरेशन के लिए बधाई दी।

सुरक्षाबलों के लिए क्यों बड़ी कामयाबी

माओवादी विरोधी अभियानों में हिडमा की हत्या को सुरक्षा बलों की एक बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार,यह गोलीबारी उस समय हुई जब सुरक्षा बलों ने माओवादियों के एक समूह को घेर लिया और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा... इसके बाद,माओवादियों ने कथित तौर पर गोलीबारी शुरू कर दी,जिससे सुरक्षाकर्मियों को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। सुरक्षा बल कुछ माओवादियों की तलाश में अभियान जारी रखे हुए थे,जिनके जंगलों में गहरे भाग जाने का संदेह था।

आंध्र प्रदेश में सुरक्षाबलों को एक और बड़ी सफलता,31 माओवादी गिरफ्तार

आंध्र प्रदेश में माओवादियों पर शिंकजा कसने के दौरान सुरक्षाबलों को मंगलवार को एक और बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षा बलों ने सुबह एक मुठभेड़ में छह माओवादियों को ढेर किया था। इसके कुछ देर बाद ही सुरक्षाबलों ने राज्य में कई स्थानों पर छापा मार कर 31 माओवादियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी से पूछताछ की जा रही है। आंध्र प्रदेश के एडीजी खुफिया महेश चंद्र लड्डा ने अल्लूरी सीतारामाराजू जिले के एसपी अमित बरदार के साथ पत्रकारों को मुठभेड़ और गिरफ्तारी का पूरा ब्योरा दिया। लड्डा ने बताया कि मंगलवार सुबह 6.30 से 7.00 बजे के बीच अल्लूरी सीतारामाराजू जिले के मारेदुमिल्ली वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच गोलीबारी हुई है। इस मुठभेड़ में छह माओवादी मारे गए हैं। लड्डा ने बताया कि पिछले दो दिन से खुफिया जानकारी के आधार पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। तलाशी अभियान अभी भी जारी है। उन्होंने बताया कि माओवादियों के पास से विभिन्न प्रकार के हथियार जब्त किए गए हैं। एडीजी महेश चंद्र लड्डा ने बताया कि पुलिस ने कृष्णा जिले के विजयवाड़ा और काकीनाडा में छापा मारकर 31 माओवादियों को गिरफ्तार किया है। इनमें विजयवाड़ा के निकट पेनामलुरू ऑटोनगर में स्थित एक मकान में शरण लिए 27 माओवादी भी शामिल हैं। इनमें 21 महिला और छह पुरुष शामिल हैं। यह सभी छत्तीसगढ़ के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से 9 माओवादी केंद्रीय समिति के सदस्य देवजी के सुरक्षा में जुड़े बॉडी गार्ड हैं और आठ दंडकारण्य वन क्षेत्र के सदस्य हैं। इसके अलावा काकीनाडा से चार माओवादी गिरफ्तार किए गए हैं।

कहां मारा गया 1 करोड़ का इमानी हिडमा

आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामाराजू जिले में मंगलवार को आंध्र-ओडिशा सीमा क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी कमांडर माडवी हिडमा समेत छह माओवादी मारे गए. यह मुठभेड़ मारेडुमिली वन क्षेत्र में उस समय हुई जब छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और ओडिशा की पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवान माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद तलाशी अभियान में लगे हुए थे।

दिल्ली में कोर्ट और स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली,18 नवम्बर 2025। दिल्ली में चार जिला अदालतों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद एहतियात के तौर पर संबंधित स्कूलों और अदालत परिसरों को खाली करा लिया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम को मंगलवार सुबह फोन कर दावा किया कि प्रशांत विहार और द्वारका स्थित सीआरपीएफ के स्कूलों में बम लगाए गए हैं। इसके बाद दोनों परिसरों को खाली करा लिया गया। उन्होंने बताया कि पटियाला हाउस कोर्ट, साकेत कोर्ट, रोहिणी कोर्ट और द्वारका कोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद अदालतों में कामकाज अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। बम की धमकी ई-मेल के जरिये मिली थी। सीआरपीएफ और बम निरोधक दस्ते मामले की जांच में जुड़े हैं। हालांकि जांच में अभी तक किसी भी अदालत में बम मिलने की खबर नहीं है। अग्निशमन विभाग के अनुसार आज सुबह करीब 9 बजे आए इस कॉल के बाद स्थानीय पुलिस, बम स्क्वॉड,डॉग स्क्वॉड,आपदा प्रबंधन, अग्निशमन विभाग सहित अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर घंटों जांच की गयी,लेकिन कुछ भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिला। पुलिस ने एहतियात के तौर पर दोनों स्कूलों को खाली कराया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि धमकी देने के तुरंत बाद कॉलर का फोन बंद हो गया और उसकी तलाश के लिए तकनीकी निगरानी शुरू कर दी गयी है।

शीतकाल के लिए बंद बाबा मध्यमहेश्वर के कपाट

रुद्रप्रयाग,18 नवम्बर 2025। रुद्रप्रयाग जिले में स्थित द्वितीय केदार मध्यमहेश्वर मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए विधि-विधान के साथ बंद कर दिए गए। मुख्य पुजारी ने स्थानीय पुष्पों और राख से स्वयंभू नाभि लिंग को समाधि दी। इसके बाद भोग मूर्तियों को चल उत्सव विग्रह डोली में विराजमान किया गया और डोली ने मंदिर की परिक्रमा की। इसके बाद ढोल-दमाऊ के साथ डोली अपने प्रथम पड़ाव गौंडार के लिए प्रस्थान कर गई। मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने बताया कि विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच इस साल यहां पर बाबा के दर्शन के लिए करीब 22 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। 21 नवंबर को डोली ऊखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर में विराजमान होगी। इससे पहले बाबा केदारनाथ की डोली 23 अक्टूबर को कपाट बंद होने के बाद 25 अक्टूबर को ओंकारेश्वर पहुंच चुकी है। अब दोनों डोलियां एक साथ होने से श्रद्धालु पूरे पंचकेदार के दर्शन यहीं कर पाएंगे।

बिहार चुनाव हाईजैक हुआ, पोलिंग के दिन तक पैसे बांटे गए: गहलोत

जयपुर,18 नवम्बर 2025। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की हार को लेकर राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव में हार-जीत चलती रहती है। बिहार में जिस तरह चुनाव हाईजैक किया गया,महिलाओं को दस हजार रुपए दिए गए। चुनाव चल रहे थे और पैसे बांटा जा रहा था। पोलिंग के दिन तक पैसे बांटे गए और चुनाव आयोग देखता रहा। गहलोत ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पीएम मोदी कहते हैं कि कांग्रेस का सफाया हो गया है और कांग्रेस टूट जाएगी। कांग्रेस सोनिया गांधी,मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरी तरह एकजुट है। जो चुनौती देश के सामने एनडीए द्वारा पेश की गई है, उसका मुकाबला करने में हम सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी में दो साल से कोई अध्यक्ष नहीं बन पा रहा है तो फूट किसकी पार्टी में है? चुनाव हारने के पीछे का कारण पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वहां धनबल का इस्तेमाल किया गया। महिलाओं को पैसा देना एक पहलू है, लेकिन तमाम योजनाओं के जरिए पैसे बांटे गए हैं, आंकड़े चौंकाने वाले हैं। गहलोत ने कहा कि अंता विधानसभा उपचुनाव मौजूदा राज्य सरकार के फेल होने के कारण हम जीत गए। जब कांग्रेस की सरकार थी और जो योजनाएं हमने चलाईं, उनकी चर्चा पूरे देश में है। उनका बड़ा प्रभाव आज भी है। लोग पछताते हैं कि सरकार चली गई और नई सरकार में कोई सुशासन नहीं है। उनके पास एक ही काम है- हमारी योजनाओं को या तो बंद करो या उन्हें कमजोर कर दो। सरकार के इस रवैये से हम अंता विधानसभा उपचुनाव 15 हजार वोटों से जीते हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर जल्द मिलेगी अच्छी खबर : पीयूष गोयल

नई दिल्ली,18 नवम्बर 2025। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर जल्द ही अच्छी खबर तभी मिलेगी। यह समझौता उचित,समानता वाला और संतुलित होगा। गोयल ने कहा कि भारत किसानों और मछुआरों के हितों के साथ कभी समझौता नहीं करेगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री नई दिल्ली में इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से आयोजित 22वें भारत-अमेरिका आर्थिक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने संकेत दिया कि प्रस्तावित भारत और अमेरिका व्यापार समझौते पर प्रगति निकट है। उन्होंने कहा कि एक बार जब यह समझौता भारत की निष्पक्ष, समतापूर्ण और संतुलित होने की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा, तो आप एक अच्छी खबर सुनेंगे। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत समझौते में किसानों और मछुआरों के हितों को ध्यान में रखेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे समझौतों पर चर्चा में समय लगता है,क्योंकि व्यापार समझौते के लिए बातचीत एक प्रक्रिया है। एक राष्ट्र के रूप में भारत किसानों, मछुआरों और छोटे उद्योगों के हितों का भी ख्याल रख रहा है। भारत और अमेरिका मार्च से द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं और अब तक छह दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है।

एसआईआर के खिलाफ दिल्ली में रैली करेगी कांग्रेस

खड़गे बोले...हम वोटर्स को हटाने की कोशिश का विरोध करेंगे,वोटर लिस्ट रिवीजन का तमिलनाडु में भी बायकॉट

नई दिल्ली,18 नवम्बर 2025। कांग्रेस ने 12 राज्यों में एसआईआर को लेकर बैठक की। इसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बैठक, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल हुए। पार्टी दिसंबर के पहले हफ्ते में दिल्ली के रामलीला मैदान पर एसआईआर के खिलाफ रैली करेगी। मंगलवार की बैठक में केसी वेणुगोपाल,संबंधित राज्यों के कांग्रेस प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता तथा उन राज्यों के कांग्रेस कार्यसमिति सदस्यों सहित वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में खड़गे ने कहा कि कांग्रेस वोटर लिस्ट से नाम नहीं हटाने देगी। ऐसे समय में जब लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास कम हो रहा है, चुनाव आयोग का आचरण अत्यंत निराशाजनक है। चुनाव आयोग को यह बताना चाहिए कि वह भाजपा की छत्रछाया में काम नहीं कर रहा है। भाजपा वोट चोरी के लिए एसआईआर को हथियार बनाने की कोशिश कर रही है,अगर चुनाव आयोग ने नजरअंदाज कर दिया, तो यह चुप्पी साध लेने जैसा होगा। कांग्रेस असली मतदाताओं को हटाने या फर्जी मतदाताओं को शामिल करने की हर कोशिश का पर्दाफाश करेगी। निर्वाचन आयोग के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पश्चिम बंगाल के बाद केरल और तमिलनाडु में विरोध बढ़ता जा रहा है। तमिलनाडु के बीएलओ के साथ ही तहसीलदार लेवल तक के अधिकारियों ने मंगलवार से बायकॉट का ऐलान किया है। तमिलनाडु राजस्व कर्मचारी संघों के संगठन ने कहा कि वे वर्कलोड, कम लोग, टाइम लिमिट दबाव और अधूरी ट्रेनिंग और मेहनताने विरोध में प्रदर्शन करेंगे।

इधर,केरल सरकार ने स्थानीय निकाय चुनाव पूरे होने तक एसआईआर स्थगित करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। राज्य का तर्क है कि स्थानीय चुनावों के साथ-साथ एसआईआर कराना कठिन है। चुनाव आयोग के मुताबिक 12 राज्यों-ञ्ञ में अब तक 50.11 करोड़ फॉर्म बांटे जा चुके हैं। 98.32% वोटर्स तक फॉर्म पहुंच गए हैं।

भारत का विकास मॉडल दुनिया के लिए आशा का प्रतीक बना : पीएम मोदी

नई दिल्ली,18 नवम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को छठवें रामनाथ गोयनका व्याख्यान में दिए अपने भाषण को साझा करते हुए देशवासियों से अगले दस वर्षों में गुलामी की मानसिकता से पूर्ण मुक्ति का संकल्प लेने अपील की। उन्होंने कहा कि यह मानसिकता उपनिवेशवाद की देन है और अब समय आ गया है कि देश इससे पूरी तरह बाहर निकले। उन्होंने देशवासियों से सामूहिक संकल्प के साथ औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किए अपने पोस्ट में कहा कि रामनाथ गोयनका का जीवन राष्ट्रप्रथम की भावना और सत्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक था। उन्होंने हमेशा कर्तव्य को सर्वोपरि रखा और यही भावना आज भी पत्रकारिता और लोकतंत्र दोनों के लिए प्रेरणा है। लोकतंत्र पर बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने हाल के बिहार विधानसभा चुनाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड मतदान और विशेष रूप से महिलाओं की बढ़ती भागीदारी इस बात का संकेत है कि भारत का लोकतंत्र लगातार सशक्त हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने भारत के विकास को विश्व के लिए आशा का मॉडल बताते हुए कहा कि देश की आर्थिक प्रगति और सामाजिक परिवर्तन दुनिया के सामने मिसाल बन रहे हैं। चुनाव जीतने का मूल मंत्र जनता की भावनाओं को समझना है, न कि लगातार चुनाव मोड में बने रहना। प्रधानमंत्री ने कहा कि माओवाद का प्रभाव लगातार घट रहा है, जो भारत के विकास और सुरक्षा के लिए अत्यंत सकारात्मक संकेत है।

दुनियाभर में चैटजीपीटी और एक्स करीब सैकड़ों वेबसाइट्स हुईं ठप्प

नई दिल्ली,18 नवम्बर 2025। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स, एआई चैटबॉट चैटजीपीटी और कैनवा की सर्विसेज देशभर में बंद हैं। भारत समेत दुनियाभर में यूजर्स को लॉगिन,साइनअप,पोस्ट करने और देखने के अलावा प्रीमियम सर्विसेज सहित प्रमुख सुविधाओं का उपयोग करने में दिक्कत आ रही है। सर्वर डाउन होने की जानकारी देने वाली वेबसाइट डाउनडिटेक्टर भी बंद है। सर्वर प्रोवाइडर क्लाउडफ्लेयर के डाउन होने के कारण यह दिक्कत आई है। इससे जुड़ी करीब 75 लाख वेबसाइट्स पर भी असर पड़ा है। क्लाउडफ्लेयर एक इंटरनेट इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है,जो वेबसाइट और एप्लिकेशन को फास्ट,ज्यादा सेफ और ज्यादा भरोसेमंद बनाने के लिए सर्विस प्रोवाइड करती है।

अल्मोड़ा के कांडपाल को राष्ट्रपति ने दिया राष्ट्रीय जल पुरस्कार

सम्मान पाने वाले राज्य के पहले व्यक्ति,जल स्रोतों को फिर से जिंदा किया

अल्मोड़ा,18 नवम्बर 2025। उत्तराखंड के जल प्रहरी मोहन चंद्र कांडपाल को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय जल पुरस्कार दिया। इसी के साथ अब वे राज्य के पहले व्यक्ति बन गए हैं, जिन्हें यह पुरस्कार मिला। कांडपाल पिछले 36 साल से पहाड़ों में जल संरक्षण, पौधारोपण और गांवों के सूख चुके जल स्रोतों को फिर से जिंदा करने का काम कर रहे हैं। पुरस्कार मिलने के बाद अल्मोड़ा के केमिस्ट्री टीचर मोहन चंद्र कांडपाल के स्कूल आदर्श इंटर कॉलेज सुरईखेत बिठोली में खुशी का माहौल है। स्कूल के टीचर्स और स्टाफ ने इकट्ठा होकर कांडपाल को शुभकामनाएं दीं। वरिष्ठ शिक्षक कमल हर्बोला ने कहा कि कांडपाल के 36 सालों के जल संरक्षण कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिलना स्कूल और पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। शिक्षकों ने इसे पूरे स्कूल का सम्मान बताया। टीचर गौरव कुमार जोशी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में रहते हुए कांडपाल ने 'पानी बोओ-पानी उगाओ' जैसी मुहिम के माध्यम से महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनके प्रयासों से नौलेज और धारी क्षेत्रों में जलस्रोत रिचार्ज हुए हैं, जिससे नदियों का जलस्तर बढ़ा है। मोहन चंद्र कांडपाल ने बातचीत के दौरान बताया कि पानी बोओ, पानी उगाओ मुहिम के कारण आज 40 गांवों के नौले-धारों में पानी वापस लौटा है, और इन गांवों के पास से गुजरने वाली रिस्कन नदी पर भी प्रभाव पड़ा है।

1990 में शुरू हुई थी जल संरक्षण यात्रा

मोहन चंद्र कांडपाल ने बताया कि उनकी यात्रा 1990 में तब शुरू हुई जब वे गांव के स्कूल में टीचर बने। पहाड़ों में सूखते जलस्रोतों की स्थिति ने उन्हें चिंता में डाला। उन्होंने पौधारोपण, खाल-चाल निर्माण और ग्रामीणों को जागरूक करने का काम शुरू किया। यह प्रयास धीरे-धीरे एक साधना में बदल गया।

एक बच्चे की बात बनी जीवन की दिशा

मोहन चंद्र कांडपाल ने अपनी प्रेरणा का जिक्र करते हुए कहा कि एक दिन क्लास 3 का बच्चा बोला -मासब, पीने को पानी नहीं है और आप नहाने-धोने की बात कर रहे हैं। इन शब्दों ने उन्हें भीतर तक झकझोर गया और उन्होंने पानी के लिए जीवन समर्पित करने का निर्णय लिया।

गुजरात के अरावली में एंबुलेंस में आग,4 जिंदा जले

एक दिन के नवजात के इलाज के लिए जा रहा था पिता,डॉक्टर-नर्स की भी मौत

अहमदाबाद,18 नवम्बर 2025। गुजरात के अरावली जिले में चलती एंबुलेंस में आग लग गई। इस हादसे में एक डॉक्टर,नर्स,एक नवजात शिशु और उसके पिता की मौत हो गई। हालांकि एंबुलेंस ड्राइवर और एक रिश्तेदार को बचा लिया गया। हादसा मोडासा की रणसैय्यद चोकड़ी के पास हुआ। एंबुलेंस अहमदाबाद के ऑरेंज अस्पताल की थी। दरअसल, महिसागर जिले के लुणावाड़ा निवासी जिग्नेशभाई महेशभाई मोची के नवजात (उम्र 1 दिन) बच्चे को इलाज के लिए मोडासा के रिच अस्पताल से अहमदाबाद ले जाया जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। सड़क पर जलती हुई एंबुलेंस का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जो वहां मौजूद पेट्रोल पंप पर रिकॉर्ड हो गया था। एम्बुलेंस में आग लगने के बाद ड्राइवर ने गाड़ी वहीं खड़ी कर दी थी। हादसे में चालक अंकितभाई ठाकोर, (24), गौसंगकुमार मोची (40) और गीताबेन मोची (60) मामूली रूप से झुलस गए और उन्हें इलाज के लिए अरावली के अस्पताल में एडमिट करवाया गया है। मोडासा नगर पालिका के फायर ब्रिगेड के इंचार्ज हेमराज वाघेला ने कहा- रात का 1.40 बजे 101 नंबर पर कॉल आया था कि राणासैयद पास एक एंबुलेंस में आग लग गई है। फायर की टीम मौके पर पहुंची पर आग पर काबू पाया। मोडासा टाउन पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-194 के तहत आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया है।

संपादकीय

न्याय नहीं,बदला...

दुनिया को हैरान कर रहा शेख हसीना को फांसी देने वाला ऐलान

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पिछले साल जुलाई-अगस्त में हुई हिंसा के मामले में दोषी ठहराया गया है और उन्हें फांसी की सजा सुनाई गई है। यह फैसला ढाका के इंटरनैशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल में सुनाया गया,जहां मुकदमा चलाने के तरीके पर सवाल उठ रहे हैं। ऐसा लगता है कि इस सुनवाई का मकसद न्याय दिलाना नहीं, बल्कि बदला लेना था। इस फैसले से बांग्लादेश की राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता और बढ़ने की आशंका है। पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी फांसी की सजा मिली है। इस फैसले पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं, खासकर इसलिए क्योंकि आरोपियों को ठीक से अपना पक्ष रखने का मौका नहीं मिला। आरोपपत्र इसी साल जून में दाखिल हुआ था और सिर्फ पांच महीने में इतने गंभीर मामले का फैसला आ गया। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग का कहना है कि ट्रिब्यूनल में केवल 20 सुनवाई हुईं। यह बहुत कम समय है इतने बड़े मामले को निपटाने के लिए।

बांग्लादेश इस समय एक अंतरिम सरकार के अधीन है,जिसका नेतृत्व मोहम्मद यूनुस कर रहे हैं। सेना का समर्थन होने के बावजूद, वे देश में स्थिरता लाने में कामयाब नहीं हो पाए हैं। उनके सत्ता संभालने के बाद से अल्पसंख्यकों पर 2,000 से ज्यादा हमले हुए हैं। कानून-व्यवस्था की हालत इतनी खराब है कि शेख हसीना पर फैसले से पहले ढाका में शूट एंड साइट (देखते ही गोली मारने) का आदेश जारी करना पड़ा। इसके बावजूद, हिंसक घटनाएं रुकी नहीं। ऐसा लगता है कि कट्टरपंथियों के दबाव में इतिहास को नजरअंदाज किया गया और भारत विरोधी रुख अपनाते हुए पाकिस्तान से हाथ मिला लिया गया।

मोहम्मद यूनुस ने देश को एक बहुत ही मुश्किल मोड़ पर ला खड़ा किया है। छात्र आंदोलन का सपना था कि देश में लोगों द्वारा चुनी हुई एक मजबूत सरकार बने,लेकिन यह सपना अब तक पूरा नहीं हुआ है। मोहम्मद यूनुस ने अगले साल फरवरी में चुनाव कराने का ऐलान किया है। हालांकि,इस चुनाव की विश्वसनीयता तब तक संदेह के घेरे में रहेगी,जब तक अवामी लीग सहित सभी राजनीतिक दलों को चुनाव में भाग लेने का समान अवसर नहीं मिलता। फिलहाल, अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा हुआ है।

खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी...

"भारत के इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं जो केवल व्यक्ति नहीं,बल्कि युगों-युगों तक प्रेरणा के स्रोत बने रहते हैं। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के,मनु से महारानी और फिर वीरांगना बनने तक का सफर,भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का वह स्वर्णिम अध्याय है, जिसे हर भारतीय गर्व से याद करता है। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की ज्वाला में अपने जीवन की आहुति दे देने वाली इस असाधारण महिला का जीवन,शौर्य,स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम का जीवंत उदाहरण है..."

रानी लक्ष्मीबाई का जन्म एक ऐसे समय में हुआ जब ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी अपनी हड़प

डॉ. राघवेंद्र शर्मा
विनायक फीचर्स

नीति और अन्य कुटिल चालों से भारतीय रियासतों को निगल रही थी। एक साधारण पृष्ठभूमि से आकर, शास्त्रों के साथ शस्त्रों की शिक्षा ग्रहण करने वाली मणिकर्णिका (मनु) का विवाह झाँसी के राजा गंगाधर राव नेवालकर से हुआ और वह लक्ष्मीबाई बन गईं। झांसी की रानी के रूप में उन्होंने केवल राज-काज ही नहीं संभाला, बल्कि उस समय की रूढ़िवादी सामाजिक बेड़ियों को भी तोड़कर घुड़सवारी, तलवारबाजी और सैन्य प्रशिक्षण में अपनी निपुणता सिद्ध की।

स्वाभिमान का शंखनाद

रानी के जीवन का निर्णायक मोड़ तब आया जब राजा गंगाधर राव के निधन के बाद, लॉर्ड डलहौज़ी ने दत्तक पुत्र दामोदर राव को झाँसी का उत्तराधिकारी मानने से इनकार कर दिया और राज्य को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने की घोषणा की। यहीं से एक रानी का वीरांगना के रूप में उदय हुआ। रानी लक्ष्मीबाई ने गर्जना की,मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी! यह केवल एक वाक्य नहीं था, बल्कि भारतीय स्वाभिमान का वह शंखनाद था,जिसने सोए हुए राष्ट्र को जगाया।

ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध उनकी अडिगता और विरोध ने उन्हें उस महासंग्राम का केंद्रीय चेहरा बना दिया, जिसने भारत में अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी थी। रानी ने एक ऐसी सेना का गठन किया जिसमें पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं ने भी कंधे से कंधा मिलाकर युद्ध किया। झलकारी बाई जैसी उनकी सहयोगी ने नारी शक्ति और निष्ठा का नया मानदंड स्थापित किया।

रणक्षेत्र में अद्वितीय पराक्रम

झाँसी के किले पर जनरल ह्यूरोज़ के नेतृत्व में ब्रिटिश सेना के आक्रमण का रानी ने जिस अद्भुत साहस से सामना किया, वह आज भी रोमांच भर देता है। भारी संख्या बल और आधुनिक हथियारों से लैस अंग्रेजों के सामने मुट्ठी भर सैनिकों के साथ डटे रहना,रानी की अदम्य इच्छाशक्ति और कुशल नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है। किले से बाल-पुत्र दामोदर राव को पीठ पर बांधकर,घोड़े पर सवार होकर उनका निकलना, साहस और मातृत्व की पराकाष्ठा को दर्शाता है।

झाँसी से निकलकर, कालपी और ग्वालियर तक उन्होंने विद्रोही ताकतों का नेतृत्व किया। तात्या टोपे जैसे महान योद्धाओं के साथ मिलकर उन्होंने अंग्रेजों को कड़ी टक्कर दी। ग्वालियर में, वीरगति प्राप्त करने से ठीक पहले, रानी ने अपने अंतिम युद्ध में जो शौर्य दिखाया, उसने जनरल ह्यूरोज़ को भी कहने पर मजबूर कर दिया कि ÷विद्रोहियों में वह अकेली मर्द थी। मात्र 29 वर्ष की अल्पायु में 18 जून 1858 को उनका बलिदान हुआ,लेकिन उनका यह बलिदान व्यर्थ नहीं गया।

विरासत और प्रेरणा

रानी लक्ष्मीबाई का जीवन और उनका बलिदान, भारतीय इतिहास की एक अमिट छाप है। वह न केवल स्वतंत्रता संग्राम की नायिका हैं,बल्कि वह हर उस भारतीय महिला के लिए प्रतीक हैं जिसने अपनी पहचान,अधिकार और स्वाभिमान के लिए संघर्ष किया है। उनकी गाथा हमें सिखाती है कि नेतृत्व लिंग या उम्र का मोहताज नहीं होता,बल्कि साहस,संकल्प और न्याय के प्रति समर्पण से आता है।

उनकी स्मृति में रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार दिए जाते हैं,जो महिला सशक्तिकरण और असाधारण वीरता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित करते हैं। यह पुरस्कार हमें याद दिलाते हैं कि रानी की आत्मा आज भी उन महिलाओं में जीवित है जो अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाती हैं और अपने अधिकारों के लिए लड़ती हैं।

आज जब राष्ट्र एक सशक्त और समृद्ध भविष्य की ओर अग्रसर है,हमें रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान को केवल इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। हमें उनके निर्भीक स्वभाव, दूरदर्शिता, और राष्ट्रप्रेम को अपने आचरण में उतारना चाहिए। उनका यह आदर्श कि,स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, हमें आज भी हर प्रकार के शोषण और अन्याय के विरुद्ध लड़ने की प्रेरणा देता है।

सच ही कहा गया है...

बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसी वाली रानी थी।।

वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई का शौर्य हमेशा हमें याद दिलाएगा कि मातृभूमि की रक्षा और स्वाभिमान से बड़ा कोई धर्म नहीं है। उनका नाम अमर है।

बीजेपी यूपी-बंगाल में भी महिलाओं-युवाओं पर लगाएगी दांव

संजय सक्सेना,
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने न सिर्फ नीतीश कुमार को दसवीं बार मुख्यमंत्री का ताज पहनाया,बल्कि भारतीय जनता पार्टी को एक ऐसा फॉर्मूला सौंप दिया जो अब उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्यों में परखा जाएगा। एनडीए की 202 सीटों वाली ऐतिहासिक जीत के पीछे आधी आबादी का हाथ साफ दिख रहा है।

महिलाओं ने 71.78 प्रतिशत मतदान कर पुरुषों के 62.98 प्रतिशत को पीछे छोड़ दिया, और यह आंकड़ा सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति का आईना है। भाजपा के वरिष्ठ नेता इसे वाई यानी वीमेन-यूथ सेंट्रिक पॉलिटिक्स की जीत बता रहे हैं, जहां जातीय समीकरण टूटे और विकास की योजनाओं ने वोटों का ध्रुवीकरण किया। अब सवाल यह है कि क्या यह मॉडल यूपी की योगी सरकार और बंगाल की ममता बनर्जी की चुनौतियों को पार कर पाएगा? राजनीतिक जानकारों का मानना है कि हां,अगर बजट से लेकर बूथ मैनेजमेंट तक सही दांव चले गए।बिहार की धरती पर जो कुछ हुआ, वह कोई संयोग नहीं था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, कुल 67.13 प्रतिशत मतदान हुआ,जो 1951 के बाद का रिकॉर्ड है। लेकिन असली खेल तो महिलाओं ने खेला। नीतीश सरकार की महिला स्वरोजगार योजना के तहत डेढ़ करोड़ महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये की किस्त पहुंची, और यह पैसा वोटिंग बूथों पर लंबी-लंबी कतारों के रूप में दिखा। एक तरफ लालू प्रसाद के पुराने मुस्लिम-यादव (एमवाई) समीकरण की बातें हवा में तैर रही थीं, वहीं आधी आबादी ने एनडीए को ऐसा साथ दिया कि महागठबंधन 35 सीटों पर सिमट गया। भाजपा अकेले 89 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी, और जनता दल यूनाइटेड को 85 मिलीं।

विशेषज्ञों का कहना है कि महिलाओं ने न सिर्फ संख्या बल्कि गुणवत्ता में भी योगदान दिया। जहां पुरुष वोटरों में सत्ता-विरोधी लहर की चर्चा थी,वहां महिलाओं ने योजनाओं के ठोस असर को प्राथमिकता दी। उदाहरण के तौर पर, दरभंगा की अलीनगर सीट से भाजपा की 25 वर्षीय लोक गायिका मैथिली ठाकुर ने 11,730 वोटों से जीत हासिल की, जो युवा महिलाओं की नई ऊर्जा का प्रतीक बनीं। कुल 88 महिला उम्मीदवार मैदान में उतरे, जिनमें से 28 विजयी रहीं, और भाजपा ने 13 में से 10 को जीतकर रिकॉर्ड बनाया। यह जीत सिर्फ सीटों की नहीं, बल्कि एक नए वोट बैंक की स्थापना की है, जहां जाति से ऊपर उठकर विकास और सुरक्षा का मुद्दा हावी हो गया।अब नजरें उत्तर प्रदेश पर हैं, जहां योगी आदित्यनाथ सरकार साढ़े आठ साल के शासन में कानून-व्यवस्था का पर्याय बन चुकी है। बिहार की सफलता से प्रेरित होकर भाजपा यहां %वाई% फॉर्मूले को और मजबूत करने की तैयारी में है। फरवरी 2025 में पेश हुए 2025-26 के बजट को ही देख लीजिए 8,08,636 करोड़ रुपये का यह चुनावी बजट महिलाओं और युवाओं पर केंद्रित था। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के लिए 225 करोड़ रुपये आवंटित हुए, जो बेरोजगार युवाओं को लोन और ट्रेनिंग का वादा करता है। इसी तरह,निराश्रित महिलाओं के लिए पेंशन योजना पर 2,980 करोड़ रुपये खर्च का प्रावधान किया गया,जिससे लाखों महिलाओं को मासिक सहायता मिलेगी। मेधावी छात्राओं को स्कूटी देने की योजना ने भी सुर्खियां बटोरीं,और लाड़ली बहना जैसी योजनाओं की तर्ज पर महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण का रोडमैप तैयार हो रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पेश होने वाले बजट में रोजगार पर कोई बड़ा ऐलान हो सकता है।

योगी सरकार ने लोकसभा चुनाव के बाद पुलिस भर्ती परीक्षा का आयोजन कर 60 हजार से अधिक युवाओं को नौकरी का तोहफा दिया, जो बिना किसी भ्रष्टाचार के आरोप के हुआ। यह भरोसा अब विधानसभा चुनाव में कैशेबल हो सकता है।लेकिन यूपी की सियासत सिर्फ योजनाओं पर नहीं थमेगी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव अपनी पीडीए यानी पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक पॉलिटिक्स को मजबूत करने में जुटे हैं,जो लोकसभा 2024 में कामयाब रही थी। उपचुनावों में यह कमजोर पड़ी,लेकिन अखिलेश इसे आजमाने को तैयार हैं। भाजपा की काट के तौर पर वाई समीकरण ही काम आएगा।बिहार में जहां एमवाई फॉर्मूला टूटा,वहां यूपी में यादव वोटों का बिखराव भाजपा के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। एनडीए के यादव उम्मीदवारों ने बिहार में महागठबंधन से ज्यादा सीटें जीतीं, और यूपी में भी ऐसा ट्रेंड दिख सकता है। ऊपर से कानून-व्यवस्था का मुद्दा। योगी सरकार ने महिला अपराधों पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई, जहां एनकाउंटर और सख्त कार्रवाई ने महिलाओं में सुरक्षा की भावना जगाई। पिछले दो सालों में ऐसे सैकड़ों केसों में त्वरित न्याय हुआ, जो चुनावी साल में बेटी बचाओ,अपराधी ठोको का नारा बन सकता है। राजनीतिक जानकार बताते हैं कि अगर बजट में महिलाओं के लिए 10 हजार रुपये वाली स्वरोजगार योजना जैसा कुछ आया, तो सपा का पीडीए समीकरण धराशायी हो सकता है।

पश्चिम बंगाल की सियासत में तो यह फॉर्मूला और भी रोमांचक साबित होगा। 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा ने बिहार मॉडल को ही आधार बनाया है। पार्टी का लक्ष्य 160 सीटें है, और हर बूथ पर नजर रखने के लिए चौकड़ी तैयार की गई है केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, त्रिपुरा के पूर्व सीएम बिप्लब कुमार देव, सह प्रभारी सुनील बंसल और आईटी हेड अमित मालवीय। बिहार जीत के ठीक बाद बंगाल में लड्डू बांटे गए, और पीएम मोदी ने इसे ममता मैजिक तोड़ने का संकेत दिया। यहां बड़ा मुद्दा महिला सुरक्षा बनेगा। आरजी कर घोटाला,दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा के गैंगरेप जैसे मामले तृणमूल कांग्रेस की कमजोरी उजागर कर रहे हैं। भाजपा व्यक्तिगत हमलों से बचते हुए मुद्दों पर फोकस करेगी, जैसा कि अक्टूबर 2025 में रणनीति बदली गई थी। बंगाल भाजपा प्रमुख समिक भट्टाचार्य का दावा है कि 2026 में सत्ता उनके हाथ आएगी। युवाओं को साधने के लिए डिजिटल कैंपेन और बूथ मजबूती पर जोर होगा, जबकि महिलाओं के लिए बिहार जैसी योजनाओं का विस्तार। तीन साल से लगे तंबू अब फल ला रहे हैं, और बिहार का प्रयोग यहां अलग रंग में चलेगा जहां बंगाल की सांस्कृतिक विविधता को ध्यान में रखा जाएगा।यह सब देखकर लगता है कि भाजपा ने बिहार से एक टेम्पलेट तैयार कर लिया है, जो जाति की दीवारें तोड़कर विकास की नींव रखेगा। यूपी में जहां योगी का ठोक दो मॉडल महिलाओं को आकर्षित कर रहा है, वहीं बंगाल में ममता की किलेबंदी को भेदने के लिए सामूहिक नेतृत्व और पीएम मोदी के विकास एजेंडे पर दांव लगेगा।लेकिन चुनौतियां कम नहीं। यूपी में सपा का पीडीए अभी भी मजबूत है, और बंगाल में तृणमूल का स्थानीय समर्थन। फिर भी, आंकड़े बोलते हैं बिहार में 71.78 प्रतिशत महिला वोटिंग ने खेल पलट दिया,और अगर यूपी-बंगाल में 60 प्रतिशत भी ऐसा हुआ, तो 2026 का नक्शा बदल जाएगा।राजनीति के इस नए दौर में वाई ही राज करेगा,जहां आधी आबादी और युवा ऊर्जा मिलकर इतिहास रचेंगे। कुल मिलाकर,बिहार की लहर अब पूरे हिंदुस्तान को छू लेगी, और भाजपा का यह दांव या तो मास्टरस्ट्रोक साबित होगा या सबक। वक्त ही बताएगा, लेकिन तैयारी तो जोरों पर है।

बांग्लादेश पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सजा ए मौत

केशी गुप्ता
द्वारका दिल्ली

इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल कोर्ट द्वारा बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को दोषी करार मानते हुए सजा ए मौत की सजा सुनाई गई है। गत वर्ष 2024 में बांग्लादेश में हुए विरोध के पश्चात बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बांग्लादेश छोड़कर भारत में शरण ली थी। उन पर भ्रष्टाचार,सत्ता का गलत इस्तेमाल तथा मानव अधिकारों के उल्लंघन का आरोप है। वहां की अवाम का मानना है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के अंतराल में गलत दमनकारी नीतियों की वजह से बांग्लादेश की लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर रही । तथाकथित तथ्यों पर आधारित बांग्लादेश आंदोलन के दौरान लगभग 1400 से अधिक लोगों की जान गई। निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर हेलीकॉप्टर से फायरिंग की गई। जिससे जवान ,बूढ़े,बच्चे अनेकों को अपनी जान गंवानी पड़ी। वहां की आवाम इस फैसले को न्यायपूर्ण मान रही है । उनका कहना है कि यह फैसला इतिहास के पन्नों में यह दर्ज करेगा की कानून व्यवस्था के आगे हर व्यक्ति बराबर का दर्जा रखता है। जो लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा । वह इसे एक लोकतांत्रिक क्रांति की तरह देख रहे हैं । बांग्लादेश द्वारा भारत से शेख हसीना को उन्हें वापिस सौंपने को कहा जा रहा है। बांग्लादेश के कानून के मुताबिक शेख हसीना इस फैसले के खिलाफ अपील नहीं कर सकती है क्योंकि वह बांग्लादेश से भाग कर भारत में रह रही है। किसी भी अपराधी को अपील का अधिकार तब मिलता है जब वह समर्पण करता है या उसी देश में गिरफ्तार होता है। इससे पहले इस तरह का फैसला इतिहास के पन्नों में कहीं देखने को नहीं मिलता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत इस फैसले को लेकर आगे क्या कदम उठाता है वहीं आने वाले समय में बांग्लादेश और भारत के बीच के रिश्ते का आधार होगा ।

विधानसभा अध्यक्ष बनने वालों की लंबी कतार, प्रेम कुमार और तारकिशोर आगे

बिहार विधानसभा का अध्यक्ष बनने के लिए एनडीए के घटक दलों में लंबी कतार है। जदयू भी अध्यक्ष पद पर दावा कर रहा है, लेकिन भाजपा निश्चिंत है। भाजपा के वरिष्ठ विधायक प्रेम कुमार और पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद का नाम आगे चल रहा है। कुमार नौंवी बार गया शहर से विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं। वे विपक्ष के नेता भी रह चुके हैं। निवर्तमान मंत्रिमंडल में सहकारिता मंत्री हैं। वे अति पिछड़ी जाति से आते हैं। तारकिशोर प्रसाद पांचवी बार कटिहार से भाजपा उम्मीदवार की हैसियत से चुनाव जीते हैं। वे 2020-22 के बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री रहे हैं। सामाजिक समीकरण के हिसाब से वे वैश्य बिरादरी के हैं, जिन्हें भाजपा का कोर वोटर माना जाता है। इनके अलावा दानापुर के भाजपा विधायक रामकृपाल यादव को भी इस पद के योग्य माना जा रहा है।रामकृपाल केंद्र सरकार में राज्यमंत्री रहे हैं।वे उन नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें लोकसभा, राज्यसभा, विधान परिषद और विधानसभा सदस्य बनने का अवसर मिला है। वे पटना नगर निगम के डिप्टी मेयर भी रह चुके हैं। अगर यह पद जदयू के हिस्से में जाता है तो 17वीं विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव को अध्यक्ष पद पर बिठाया जा सकता है। सहज और मृदुभाषी नरेंद्र नारायण यादव मधेपुरा जिला के आलमनगर विधानसभा क्षेत्र से लगातार आठवीं बार विधायक चुने गए हैं।

नेतृत्व का हरेक निर्णय स्वीकार्य : प्रेम कुमार

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रेम कुमार ने कहा है कि केंद्रीय नेतृत्व का हरेक निर्णय उन्हें स्वीकार्य है। विधानसभा अध्यक्ष बनने के प्रश्न पर मंगलवार को उन्होंने कहा- नेतृत्व अगर निर्देश देता है तो वे इस भूमिका को सहर्ष स्वीकार करेंगे। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा उनसे मिलने पहुंचे थे।सिन्हा ने कहा कि प्रेम कुमार ने पार्टी की ओर से दी गई हरेक भूमिका का निर्वहन गंभीरता से किया किया है। कृषि और सहकारिता मंत्री के रूप में उनकी सेवा यादगार है।

-अरूण अशेष-

अभी कई और धमाके होंगे,आतंकिस्तान का हैंडलर कर रहा दिल्ली धमाके की तारीफ

दिल्ली में लाल किले के पास हुए आत्मघाती विस्फोट और पाकिस्तान के बीच एक और बड़ा संबंध स्थापित हुआ है। पाकिस्तान-स्थित हैंडलर का एक प्रोपेगैंडा वीडियो सामने आया है, जिसमें वो दिल्ली धमाके की तारीफ कर रहा है और कई लोगों को धमकी दे रहा है। पिछले साल बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट को अंजाम देने वाले आतंकी मॉड्यूल के हैंडलर के बनाए गए इस वीडियो में यह भी कहा गया है कि इस हमले का निशाना मुसलमान नहीं थे।जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों की ओर से संचालित डार्क-वेब चैनलों से एजेंसियों ने 5 मिनट 35 सेकंड का एक वीडियो बरामद किया है। वीडियो में आवाज की पहचान उस्ताद फरहतुल्लाह गौरी उर्फ शाहिद फैसल के रूप में हुई है।एजेंसियों के मुताबिक, मूल रूप से कर्नाटक का रहने वाला फैसल 2012 में सऊदी अरब भाग गया और फिर पाकिस्तान चला गया। माना जाता है कि वह जैश और लश्कर जैसे आतंकी संगठनों के साथ-साथ पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर काम कर रहा है। रामेश्वरम कैफे में हुए ब्लास्ट के हैंडलर फैजल से जब दिल्ली धमाके को लेकर विचार पूछे गए तो उसने कहा, कुछ मुसलमान भी मारे गए लेकिन वह टारगेट नहीं थे। आत्मघाती बम विस्फोट का सही ठहराते हुए वह इस तरह के कामों को लेकर इस्लाम की आलोचना करने वाले मुसलमानों को भी वह खरी-खोटी सुनाता है।उसने दावा किया कि उसे नहीं पता कि हमला किसने किया, लेकिन कहा कि यह अन्याय का परिणाम है और चेतावनी दी कि इसके बाद और भी हमले होंगे।

-अभिषेक प्रताप सिंह-

कविता

हम तो आपके हैं...

अशोक पटेल आशु
तुस्मा,
शिवरीनारायण
(छ ग)

हम तो आपके अपने हैं,गैरों पे शुमार क्यों करते हो
तुम्हारी खूबसूरती पे फ़िदा हैं,गुमान क्यों करते हो
कोई इतना नही चाहता,जितना हम तुम्हें चाहते है
हमारी मुहब्बत नापाक नही,अपमान क्यों करते हो

तुम दिल दिये किसी को,ऐसा बेहआई क्यों करते हो
कोई गम नही मुझको,पर ऐसी बेवफाई क्यों करते हो
कभी अपना न समझो,पर हम तुम्हे अपना समझेंगे
तुमको दिल दिया है गुनाह नही,रुसवाई क्यों करते हो

ये दिल तेरे नाम है,पर तुम यक़ीन क्यों नही करते हो
ताउम्र तुमसे ही प्यार करेंगे,क्यों यक़ीन नही करते हो
मुमकीन होता तो दिल बेपरदा करता,तुम्हे मना लेता
यह तो राज की बात है,तुम यक़ीन क्यों नही करते हो...

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

एक आरक्षक,एक वकील और शहर की चुप्पी के बीच खड़ा न्याय

अंबिकापुर मारपीट विवाद पर सोशल मीडिया फटा...वकील परिवार पर हमले की निंदा,लेकिन पुलिसकर्मी के समर्थन में भी उठी आवाजें

'पूरा सच सामने आए,आधा-अधूरा नहीं'लोग दोनों पक्षों की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे...

-न्यूज डेस्क-

अंबिकापुर,18 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। अधिवक्ता राजेश तिवारी और उनके परिवार के साथ प्रधान आरक्षक संतोष कश्यप द्वारा की गई मारपीट की घटना पर शहर में जहां भारी आक्रोश है,वहीं सोशल मीडिया पर इस मामले ने दो धड़ तैयार कर दिए हैं,बड़ी संख्या में लोग पुलिसकर्मी की कार्रवाई को निंदनीय बता रहे हैं,जबकि कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि'दोनों पक्षों का पक्ष सुने बिना घटना को एकतरफा न बताया जाए। 'अंबिकापुर की सड़कों पर एक सवाल गूंज रहा है,'कानून किसके लिए है?' कमजोर के लिए या वर्दी वालों के लिए? या उन लोगों के लिए जो अपने पद,पहचान और नेटवर्क के बल पर न्याय को मोड़ लेते हैं? एक ओर वरिष्ठ वकील का घायल परिवार है। दूसरी ओर एक प्रधान आरक्षक है जिस पर'मारपीट और दुर्व्यवहार' के आरोप हैं और बीच में खड़ा है प्रशासन जो लाइन अटैच की पुरानी, घिसी-पिटी औपचारिकता को 'कार्रवाई' बताकर खुद पर से बोझ हटाने में लगा है,लेकिन असली सवाल यही है,क्या कानून सिर्फ़ किताबों में सख्त है या सख्ती सिर्फ़ उन्हीं पर होती है जो आवाज़ नहीं उठा पाते? शहर यह भी पूछ रहा है जब सड़क पर मनचले दहशत फैलाएँ,बाइक बाज़ आतंक मचाए,तो पुलिस कागज़ों में 'फर्जी चालान' से अपनी कार्रवाई दिखाती है,लेकिन जब मामला एक सीधे-साधारण परिवार बनाम पुलिसकर्मी का हो...तब वही पुलिस अचानक 'सिस्टम में बंधी' हो जाती है। क्या यही न्याय है? क्या यही व्यवस्था है? क्या यही कानून की हुकूमत है? फेसबुक पर उठते सवाल हमें आईना दिखाते हैं कुछ लोग वकील का पक्ष ले रहे हैं,कुछ पुलिसकर्मी की 'छिपी कहानी' बता रहे हैं, लेकिन एक बात दोनों पक्षों में साफ दिखती है लोगों को प्रशासन पर भरोसा नहीं है,लोगों को जांच पर भरोसा नहीं है,लोगों को कानून के बराबरी के सिद्धांत पर भरोसा नहीं है, और यही सबसे बड़ा खतरा है,अगर शहर को यह महसूस होने लगे कि 'न न्याय मिलेगा,न कानून सुनेगा ',तो यह डर नहीं,यह व्यवस्था की हार है। एसपी का यह कहना कि 'कड़ी कार्रवाई होगी, मैं स्वयं जांच कर रहा हूँ' एक उम्मीद की किरण है,लेकिन शहर पूछता है क्या इस उम्मीद पर सिस्टम खरा उतरेगा? या यह आश्वासन भी किसी फाइल की धूल में खो जाएगा? कानून किसके लिए है...आज अंबिकापुर यह पूछा है,कल कोई और शहर पूछेगा और अगर जवाब सच में नहीं मिला तो न्याय की कुर्सी खाली नहीं,पर बेहिसाब डगमगाती ज़रूर दिखाई देगी।

एक पक्ष का आरोप...पुराना बदमाश है...अब बर्दाश्त से बाहर

कई स्थानीय नागरिकों ने फेसबुक पर लिखा कि आरक्षक पहले भी विवादों में रहा है और इस बार उसने हद पार कर दी,एक यूजर ने लिखा 'एक झूठ हो पलटे हैं...अब बर्दाश्त से बाहर है...पुराना बदमाश है।' दूसरे लोगों ने कहा कि पुलिसकर्मी द्वारा की गई हरकत बेहद निंदनीय,कायराना, और 'पुलिस की गरिमा के खिलाफ' है।

दूसरे पक्ष का तर्क 'दोनों पक्ष पड़ोसी हैं, मामला बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया गया '

कई लोगों ने कहा कि...'वकील साहब का भी पक्ष जांच होना चाहिए।' 'दोनों पक्ष पड़ोसी हैं...झगड़ा हुआ तो पूरा मामला पुलिस बनाम वकील बना दिया।' 'बिना वजह कोई पुलिस वाला मारपीट नहीं करेगा... कुछ न कुछ छिपा है।' एक कमेंट में लिखा गया 'निष्पक्ष जांच होनी चाहिए,दबाव में आकर पुलिस को कोई कदम नहीं उठाना चाहिए।' एक अन्य ने लिखा 'आधा-अधूरा मत लिखिए...पूरा सच लिखिए।'

संतोष कश्यप के समर्थन में भी आवाज उठी

कई यूजर्स ने पुलिसकर्मी के पक्ष को भी सामने लाने की मांग की और कहा कि'पुलिस वालों ने ही पुलिसकर्मी के खिलाफ थाने में बैठकर षड्यंत्र रच दिया।'एक वरिष्ठ टिप्पणीकार ने लिखा 'दो समाज के लोगों को लड़ाने का काम यह दो पुलिसकर्मी कर रहे हैं...दोनों पर जांच हो। कोई भी कानून से ऊपर नहीं हो सकता–न पुलिस,न वकील। '

हेड कॉन्स्टेबल ने वकील और बेटे को पीटा...एफआईआर दर्ज

कार मोड़ने के दौरान विवाद,पत्नी से भी अभद्रता एसएसपी ने पुलिसकर्मी को किया सस्पेंड

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,17 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। अंबिकापुर में गाड़ी मोड़ने के दौरान इंडिकेटर नहीं देने के विवाद पर हेड कॉन्स्टेबल और उसके साथियों ने वकील और उसके बेटे की जमकर पिटाई कर दी। साथ ही पत्नी से भी अभद्रता की। मामला गांधीनगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक,इस मामले में पुलिस ने हेड कॉन्स्टेबल सहित चार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। घटना के विरोध में ब्राह्मण समाज और वकील संघ ने नाराजगी जताई है। हालांकि,सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल ने हेड कॉन्स्टेबल को सस्पेंड कर दिया है। दरअसल, फुंदुरडिहारी के रहने वाले वकील राजेश तिवारी का बेटे राहुल को पोर्च के अंदर खड़ा करने के लिए गाड़ी मोड़ने के लिए शनिवार की रात करीब 11 बजे पटेलपारा तिराहे तक गया था। गाड़ी मोड़कर जब वह वापस घर की ओर जा

रहा था, उसी दौरान वहां चारपहिया वाहन सवार गांधीनगर थाने का हेड कॉन्स्टेबल संतोष कश्यप अपने एक साथी के साथ पहुंचा।

गाड़ी मोड़ने के दौरान विवाद पर की मारपीट : संतोष कश्यप ने राहुल की कार के सामने अपनी गाड़ी लगा दी और बिना इंडिकेटर दिए गाड़ी मोड़ने को लेकर गाली-गलौज करने लगा। विवाद बढ़ने पर हेड कॉन्स्टेबल और उसके साथी ने राहुल के साथ मारपीट की। राहुल ने फोन पर सूचना अपने पिता को दी। वहीं संतोष की सूचना पर उसके दो अन्य साथी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। राजेश और उनकी पत्नी संध्या तिवारी मौके पर पहुंचे। इस दौरान संतोष और उसके साथी राहुल को पीट रहे थे। बीच-बचाव करने पर राजेश के साथ भी हेड कॉन्स्टेबल और उसके तीन साथियों ने मारपीट की। बीच बचाव करने पहुंची पत्नी को उन्होंने धक्का दे दिया, जिससे उनके सिर में चोटें आईं और वह बेहोश हो गईं। मारपीट में वकील का बायां पैर फ्रैक्चर हो गया।

हेड कॉन्स्टेबल सहित 4 के खिलाफ एफआईआर : रात में ही मामले की सूचना सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल को दी गई। एसएसपी के निर्देश पर गांधीनगर पुलिस ने अपने ही थाने के हेड कॉन्स्टेबल संतोष कश्यप सहित उसके तीन साथियों के खिलाफ धारा 296, 351(3), 115(2),3(5) के तहत एफआईआरदर्ज किया है। मामले में हेड कॉन्स्टेबल को लाइन अटैच करने का आदेश दिया गया है।

वकील पक्ष का आरोपःपैर टूट गया, महिला को धक्का दिया,बेटे को मारा

फिर भी सिर्फ लाइन अटैच! '- अधिवक्ता समुदाय व नागरिकों का कहना है कि वकील के बेटे को पीटा गया,वकील को भी मारा गया, चोटें आईं,पत्नी को भी धक्का-मुक्की की गई,इसके बाद भी आरोपी को सिर्फ लाइन अटैच किया गया जो 'कमजोर कार्रवाई' है

एसपी सरगुजा का बयानः कड़ी कार्रवाई करेंगे,मैं स्वयं जांच कर रहा हूं...

पहल से बातचीत में एसपी ने कहा 'मामला गंभीर है, लाइन अटैच तो प्रारंभिक कदम है, हम इससे भी कड़ी कार्रवाई करेंगे, मैं स्वयं इस मामले की जांच कर रहा हूँ। '

सोशल मीडिया पर इस पूरे विवाद में मुख्य तीन बातें सामने आईं...

शहर का एक बड़ा हिस्सा अधिवक्ता परिवार पर हुए हमले से आक्रोशित है, दूसरा पक्ष कह रहा है कि पुलिसकर्मी की भी बात सुनी जाए, मामला पड़ोस विवाद से उठा था, लोग खुलकर कह रहे–निष्पक्ष,दबाव-मुक्त जांच हो, किसी भी पक्ष को बचाया न जाए।

पुलिस का दृष्टिकोण (जैसा सोशल मीडिया पर सामने आया) यह मामला 'पड़ोस विवाद' से उठा, पुलिसकर्मी अकेले दोषी नहीं

'दोनों पक्षों की भूमिका जांच हो' कुछ यूजर्स के अनुसार 'वकील पक्ष ने आधा सच बताया' आरोपः 'थाने के अंदर ही पुलिसकर्मियों ने अपने ही साथी के खिलाफ षड्यंत्र बनाया' नागरिक व वकील समुदाय का दृष्टिकोण- वकील के बेटे को पीटा गया वह भी मामूली बात पर वरिष्ठ वकील को भी चोटें आईं, पत्नी से धक्का-मुक्की गंभीर अपराध, इससे भी बड़ा सवाल 'सिर्फ लाइन अटैच क्यों?' आरोपः 'मवाली नहीं पकड़ पाते, शरीफ पर ताकत दिखाते हैं '।

व्यवस्था का संकटः भरोसे की कमी...

यह मामला सिर्फ मारपीट नहीं, बल्कि 'विश्वास संकट' है लोग महसूस कर रहे, पुलिस मनचलों पर कमजोर, आम नागरिक पर कड़े, एकतरफा कार्रवाई की प्रवृत्ति बढ़ रही जाँच को लेकर संदेह गहरा है। प्रशासनिक चुनौती एसपी का बयान स्थिति सुधार सकता है, जांच वास्तव में निष्पक्ष हो दोनों पक्षों के बयान रिकॉर्ड हों, मेडिकल, सीसीटीवी, गवाह सब निष्पक्षता से देखे जाएँ दोषी चाहे पुलिस हो या नागरिक कार्रवाई समान हो यह मामला अब केवल 'मारपीट' का नहीं रहा यह पुलिस की विश्वसनीयता बनाम जनता के विश्वास की लड़ाई बन चुका है।

महतारी वंदन योजना के लाभार्थियों का नाम केवाइसी के बहाने काटने का आरोप

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,18 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। महिला कांग्रेस अध्यक्ष सीमा सोनी ने महतारी वंदन योजना के तहत लाभार्थियों के नाम केवाइसी के बहाने पात्रता सूची से काटे जाने का आरोप भाजपा पर लगाया है। सीमा सोनी ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने वादा किया था कि सभी विवाहित महिलाओं को बिना किसी भेदभाव के एक हजार रुपये महतारी वंदन योजना के तहत दिए जाएंगे, और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने तो यह तक कहा था कि इस योजना का लाभ हर विवाहित महिला को मिलेगा,चाहे वह कलेक्टर की पत्नी हो या मुख्यमंत्री की। लेकिन सत्ता में आने के बाद भाजपा का दोहरा चरित्र सामने आ गया है। महिला बाल विकास मंत्री ने महतारी वंदन योजना के लाभार्थियों के लिए क्राइटेरिया कड़ाई से पालन करने की बात कही है, जिससे कई महिलाओं के खाते में पिछले दो-तीन महीने से पैसा नहीं आया। सीमा सोनी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव के समय महिलाओं को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया, और अब चुनाव खत्म होते ही नए नियमों के नाम पर सैकड़ों महिलाओं को महतारी वंदन योजना से बाहर किया जा रहा है, जबकि उन्होंने अपना केवाईसी भी अपडेट कर लिया है।

शहर में घटिया सडक़ निर्माण पर कांग्रेस ने शुरू की निगरानी

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,18 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के निर्देश पर सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने अम्बिकापुर शहर में हो रहे विविध निर्माणकार्य की गुणवत्ता की निगरानी के लिए पूर्व महापौर डॉ. अजय तिर्की की अध्यक्षता में 10 निगरानी दलों का गठन किया है। हाल ही में निगम द्वारा नेहरु वार्ड एवं सत्तीपारा वार्ड में बनवाए जा रहे सडक़ की घटिया गुणवत्ता का मामला सामने आने के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री के निर्देश पर निगरानी दलों का गठन किया गया है। इस दल को नगर पालिक निगम अम्बिकापुर, पीडब्लूडी सहित राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग द्वारा शहर के दायरे में कराये जा रहे सभी कार्यों में गुणवत्ता पर नजर रखने का निर्देश दिया या है। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शहर में गठित किए गए 10 निगरानी और निरीक्षण दल की सूचि इन सभी विभागों को औपचारिक तौर पर दे दी है। सत्तीपारा क्षेत्र में घटिया सडक निर्माण का मामला सामने आने के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा है कि सडकों का निर्माण आमजनता द्वारा अदा किय गय कर से उनकी सुविधा के लिए हो रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का सरगुजा दौरा,जनजातीय गौरव और इतिहास का समागम

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,18 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। सरगुजा अंचल के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। 20 नवंबर 2025 को भारत की पहली जनजातीय महिला राष्ट्रपति, महामहिम द्रौपदी मुर्मू,जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर सरगुजा का दौरा करने जा रही हैं। उनके इस दौरे को लेकर पूरे क्षेत्र में जबरदस्त उत्साह और गर्व का माहौल है, क्योंकि यह अवसर सरगुजा के जनजातीय समुदाय के लिए गौरव और सम्मान का प्रतीक है। राष्ट्रपति के आगमन से ठीक दो दिन पहले, सुरक्षा व्यवस्था के तहत 1700 से अधिक सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जा चुकी है। राष्ट्रपति के आगमन के दौरान सुरक्षा को लेकर विशेष उपाय किए गए हैं। एसपीजी (स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप) की टीम हर कदम पर निगरानी रख रही है। गांधी स्टेडियम में हेलीपैड का निर्माण पहले ही पूरा कर लिया गया है, और पीजी कॉलेज ग्राउंड में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन होगा। जहां राष्ट्रपति मुर्मू जनजातीय नृत्य प्रतियोगिता में विजेता टीम को पुरस्कृत करेंगी। इसके साथ ही, राज्य सरकार की दो महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ भी राष्ट्रपति के हाथों होना है–मुख्यमंत्री अखरा विकास योजना और मुख्यमंत्री गुनिया बैगा सम्मान निधि। ये योजनाएं जनजातीय समुदाय के लिए खासतौर पर महत्वपूर्ण साबित होने वाली

हैं। स्थानीय पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी कार्यक्रम स्थल पर तैनात की गई हैं, जिससे कि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटा जा सके। हेलीकॉप्टर के आगमन से लेकर राष्ट्रपति के कार्यक्रम स्थल तक के मार्ग को पूरी तरह से सील कर दिया जाएगा, और चारों ओर से निगरानी की जाएगी। इस आयोजन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, राज्यपाल रामेन डेका, और अन्य मंत्रीगण, सांसद, विधायक और प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल होंगे। सरगुजा अंचल का जनजातीय इतिहास बहुत समृद्ध और गौरवमयी है। 1952 में भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने पंडों जनजाति के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया था, और पंडों नगर पहुंचे थे। उनकी इस यात्रा की स्मृति में आज भी पंडों नगर में भारत का इकलौता ग्रामीण राष्ट्रपति भवन स्मारक मौजूद है, जो सरगुजा के जनजातीय गौरव का प्रतीक माने जाते हैं। यह स्थल आज भी जनजातीय समुदाय के सम्मान और गौरव का महत्वपूर्ण केंद्र है। अब 73 वर्षों के बाद, 20 नवंबर को एक बार फिर राष्ट्रपति मुर्मू इस ऐतिहासिक सरगुजा अंचल में आ रही हैं। उनका आगमन जनजातीय समुदाय के लिए एक और ऐतिहासिक पल होगा, क्योंकि वे अपने इतिहास और संस्कृति की नई पहचान के रूप में इसे देख रहे हैं। इस बार, सरगुजा का जनजातीय समाज अपने गौरव और सम्मान को एक नई ऊंचाई पर पहुंचते हुए देखेगा। राष्ट्रपति मुर्मू के आगमन से एक दिन पहले, 19 नवंबर को एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा, जिसका विषय होगा 'स्वतंत्रता संग्राम में जनजातियों की भूमिका '। इस संगोष्ठी में सरगुजा के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले जनजातीय नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। साहित्यकार अजय कुमार चतुर्वेदी, जिन्होंने सरगुजा के 40 विस्मृत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जीवन-वृत्त पर एक पुस्तक लिखी है, इस संगोष्ठी में विशेष प्रस्तुति देंगे। उनका व्याख्यान इस तथ्य को उजागर करेगा कि कैसे जनजातियों ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया और किस प्रकार उनका योगदान आज तक उपेक्षित रहा है।

जनजातीय गौरव का प्रतीक सरगुजा : सरगुजा अंचल ने जनजातीय समाज के कई महान और प्रेरणादायी व्यक्तित्वों को जन्म दिया है। इनमें पद्मश्री माता राजमोहनी देवी, गहिरा गुरु, और जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी माझी राम गोंड, महली भगत, और राजनाथ भगत जैसे महान नेता शामिल हैं। इन नेताओं ने अपने संघर्ष और नेतृत्व से सरगुजा की पहचान को राष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित किया। सरगुजा का पंडों नगर भी इस दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह स्थल न केवल इतिहास का गवाह है, बल्कि आज भी जनजातीय गौरव का जीवंत प्रतीक है।

नई पहचान का सूर्योदय

राष्ट्रपति मुर्मू का यह दौरा सरगुजा के लिए एक नई पहचान और ऊर्जा का प्रतीक बनेगा। स्थानीय जनजातीय समुदाय इस अवसर को अपने इतिहास, सम्मान और पहचान से जुड़ा एक नया अध्याय मान रहा है। बुजुर्गों का मानना है कि जिस तरह 1952 में सरगुजा ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाई थी, उसी तरह 2025 का यह अवसर भी जनजातीय समाज के लिए एक नई ऊर्जा और एक नई दिशा का प्रतीक बनेगा। इस ऐतिहासिक अवसर को लेकर सरगुजा अंचल में उत्साह और गर्व का माहौल है, और यह आयोजन न केवल सरगुजा, बल्कि पूरे राज्य और देश के लिए जनजातीय गौरव का उत्सव बन चुका है।

अवैध धान खपाने यूपी से लाया जा रहा था धान

संयुक्त टीम द्वारा की गई कार्यवाही वाहन चालक एवं वाहन मालिक पर एफआईआर दर्ज

बलरामपुर, 18 नवम्बर 2025(घटती-घटना)। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वाड्रफनगर श्री नीरनिधि नंदेहा ने जानकारी दी है कि खाद्य निरीक्षक वाड्रफनगर को सूचना मिली की पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 टी 3538 से अवैध धान का परिवहन किया जा रहा था। जिसे संयुक्त टीम द्वारा पीछा करने पर ग्राम गिरवानी में पके ा गया। पिकअप में 60 बोरी अवैध धान लोड था जिसे जब्त किया गया। धान अवैध धान परिवहन करने के मामले में वाहन चालक और वाहन स्वामी पर एफआईआर दर्ज किया गया है। एसडीएम वाड्रफनगर के निर्देशानुसार खाद्य, मंडी एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा तहसील रघुनाथनगर अन्तर्गत ग्राम गिरवानी में अवैध धान परिवहन पर कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान समय रात लगभग 10:00 बजे, ग्राम गिरवानी में अवैध धान परिवहन करते एक पिकअप वाहन पके ` गया। जिसमें भारी मात्रा में धान लदा हुआ पाया गया। जांच के दौरान पूछताछ में वाहन चालक के द्वारा बताया गया कि उक्त धान उत्तर प्रदेश राज्य से अवैध रूप से छत्तीसगे राज्य के अन्तर्गत बलरामपुर जिले में स्थित धान खरीदी केन्द्र/सोसाइटी में अधिक मूल्य पर विक्रय के उद्देश्य से लाया जा रहा था। जिसे जप्त कर थाना रघुनाथनगर को सुरक्षित अभिरक्षा में रखने हेतु सुपुर्द किया गया। गौरतलब है कि उक्त प्रकरण में संबंधित व्यक्तियों द्वारा अन्य प्रदेश के धान को स्थानीय छत्तीसगे के कृषकों के खाते से बेचने के आशय से पूर्व नियोजित आपराधिक षे यंत्र के अन्तर्गत छलपूर्वक आर्थिक लाभ प्राप्त करने तथा छत्तीसगे शासन को आर्थिक क्षति पहुँचाने की दुराशय पूर्वक योजना बनाई गई।

-फाईल:फोटो-

CMYK

निरीक्षण का ढोंग या बच्चों की पीड़ा से मजाक?

खबर के बाद दौड़े अधिकारी,पर शहर में अचानक 'भिक्षावृत्ति कोई बच्चा नहीं'

क्या भिक्षावृत्ति भी तारीख देख-देखकर होती है?

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर,18 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

घटती-घटना समाचार-पत्र में खबर लगते ही जिला बाल संरक्षण इकाई और चाइल्ड लाइन हरकत में तो आई,लेकिन जिस 'निरीक्षण' की कहानी उन्होंने सुनाई,उसने पूरे शहर को हैरान कर दिया,कहा कि उन्हें एक भी बच्चा भीख मांगते नहीं मिला! अब सवाल यह नहीं कि बच्चे कहाँ गए...सवाल यह है कि अधिकारी किस हैसियत में जनता की आंखों में धूल झोंकने उतरे थे?

क्या बच्चे भी निरीक्षण टीम के लिए पहले से लाइन लगाकर इंतजार करते हैं?

17 नवंबर को रिपोर्ट में जिस हकीकत को पूरा सूरजपुर देख रहा था–चौराहों पर नाबालिग बच्चे भीख मांगते,दौड़ते, रुकते,रोते–वही बच्चे अगले ही दिन निरीक्षण टीम को 'गायब' मिले! क्या यह महज संयोग है? या फिर बच्चों को नहीं,सच्चाई को छिपाने निकली थी टीम?

कई सालो से जमे हुए अधिकारी सिस्टम के सबसे बड़े अवरोध

वही अधिकारी,वही कुर्सियाँ,वही बेफिक्री सालों से एक ही जगह जमे बैठे अधिकारी क्या कभी सच्चाई देख भी पाएंगे? या फिर कुर्सी बचाने की मशीनरी इतनी मजबूत हो चुकी है कि शहर की बदहाली उन तक पहुँचना ही बंद हो गई है? सूरजपुर में भिक्षावृत्ति बढ़ रही है, पर विभाग की रिपोर्ट में सब ठीक–क्या यह सिर्फ़ एक कागजी नाटक है?

निरीक्षण का परिणाम

'कुछ नहीं मिला '- क्या महान निष्कर्ष है यह!- 25 दुकानों, बस स्टैंडों,चौराहों, बाजारों में घूम कर भी टीम को एक भी बच्चा नहीं मिला,यह वही स्थान हैं जहाँ रोज़ बच्चे घंटों खड़े रहते हैं,और अधिकारी रोज़ उनसे मुँह मोड़कर निकल जाते हैं। तो आज अचानक शहर इतना 'शुद्ध' कैसे हो गया? क्या विभाग ने समय देखकर निरीक्षण किया? स्थान चुनकर रिपोर्ट बनाई? या फिर सच खोजने की हिम्मत ही नहीं की?

खबर को झूठा साबित करने का बचकाना प्रयास : निरीक्षण का समय, तरीका और परिणाम सब कुछ बताता है कि यह 'अभियान' सच्चाई खोजने से ज़्यादा घटती-घटना समाचार-पत्र के रिपोर्ट को कमजोर करने की कोशिश था,लेकिन अफसोस झूठे निरीक्षण से सच्चाई बदली नहीं जा सकती,जो बच्चे कल सड़क पर थे,वे आज भी सड़क पर ही हैं।

शहर के चौक-चौराहों पर भीख मांगते बच्चे, अधिकारी आखिर किस नींद में सोए हैं?
कानून किताबों में, बच्चे सड़क पर... सबसे बड़ा विरोधाभास
सूरजपुर में महिला एवं बाल विकास विभाग की घोर लापरवाही उजागर...
बच्चे सड़क पर, अधिकारी कागज़ पर, यह कैसी विकास की तस्वीर?
सूरजपुर में बाल भिक्षावृत्ति बेकाबू...महिला एवं बाल विकास विभाग पूरी तरह विफल...
नन्हे हाथ भीख में व्यस्त...सिस्टम चैन की नींद में...शर्म करो अधिकारी...
कानून किताबों में...बच्चे सड़क पर...किसका विकास...किसकी ज़िम्मेदारी?
कुंठा और उदासीनता का अंधेरा
सूरजपुर की सच्चाई कड़वी है...
शहर के चौक-चौराहों पर मासूम बच्चे बेखौफ भीख मांगते दिखते है: का अधिकारों का रवैया निराशजनक
बच्चे सड़क पर...और अधिकारी मीटिंग में...
लाखों का बजट,ज़मीन पर शून्य काम,यह कैसी व्यवस्था?
सिस्टम की चुप्पी, क्या यह मूक समर्थन है?

सवाल भारी हैं, जवाब देने की हिम्मत किसमें है?

- क्या विभाग सच में बच्चों को ढूंढने गया था
- या पहले से लिखी रिपोर्ट जमा करने?
- क्या अधिकारी शहर की जमीनी हकीकत से कट चुके हैं
- या जानबूझकर आँखें बंद कर ली हैं?
- क्या भिक्षावृत्ति रैकेट पर कोई कार्रवाई होगी
- या हर बार की तरह फाइलें बंद करके मामला निपटा दिया जाएगा?
- क्या वर्षों से जमे अधिकारी कभी हटाए जाएंगे
- या बच्चों का बचपन इसी तरह सड़क पर ही सड़ता रहेगा?

निचोड़

अगर निरीक्षण ऐसे ही होंगे,तो भिक्षावृत्ति खत्म नहीं होगी,जिम्मेदारी खत्म होगी, सूरजपुर की सच्चाई यह है कि बच्चे भीख मांग कर पेट भर रहे हैं, और विभाग निरीक्षण की फाइलें भरकर अपनी पीठ,जब तक सिस्टम ईमानदार नहीं होगा,न तो बच्चे बचेंगे,न बचपन।

नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत नशामुक्ति पर जन जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,18 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भारत सरकार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित नशामुक्त भारत अभियान की पांचवीं वर्षगांठ पर आज मंगलवार को जिले के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालय एवं अन्य स्थलों में नशामुक्ति पर जन जागरूकता कार्यक्रम एवं नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग सरगुजा द्वारा जिला स्तरीय कार्यक्रम संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय अंबिकापुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर श्रीमती मंजूषा भगत शामिल रहीं,उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों एवं स्टॉफ को नशामुक्ति हेतु शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशा विनाश का जड़ है। नशा केवल शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा ही नहीं देता, अपितु यह एक सशक्त परिवार,समाज के विकास के लिए बाधक है। उन्होंने उपस्थित सभी जनों से नशा न करने का आव्हान किया। उप संचालक समाज कल्याण श्री व्ही.के. उके द्वारा नशामुक्ति हेतु संचालित योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। नशामुक्ति हेतु जनजागरूकता फैलाए जाने गायत्री परिवार से अमृता जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि नशा व्यक्ति में निगेटिव उर्जा का संचार करती है इससे विभिन्न प्रकार की शारीरिक एवं मानसिक परेशानियां, बीमारियां, सड़क दुर्घटनाएं आदि होती है। अभियान कीं पांचवीं वर्षगांठ पर शासकीय नवीन महाविद्यालय, लखनपुर,शासकीय कॉलेज बतौली,शासकीय कॉलेज कमलेश्वरपुर मैनपाट,शासकीय राजमोहिनी गर्ल्स कॉलेज अंबिकापुर, शासकीय कॉलेज उदयपुर, शासकीय कॉलेज धौरपुर आदि तथा जिलों में संचालित विभिन्न विद्यालयों में नशामुक्ति हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा नशामुक्ति शपथ दिलाया गया।

थाना कोतवाली अंतर्गत जोड़ा पीपल मे दो पक्षो मे मारपीट के वायरल विडिओ पर सरगुजा पुलिस की त्वरित कार्यवाही

दोनों प्रकरणों के आरोपियों को प्रकरण मे गिरफ्तार कर की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही

-संवाददाता-
अंबिकापुर,18 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

थाना कोतवाली अंतर्गत जोड़ा पीपल मे दो पक्षो के मध्य लाठी डंडे से लैस होकर मारपीट किये जाने एवं आरोपियों द्वारा मौक़े पर हुडदंग मचाने का वायरल विडिओ प्राप्त हुआ था,वायरल विडिओ कों संज्ञान मे लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा थाना कोतवाली पुलिस टीम को मामले मे त्वरित कार्यवाही करते हुए हुडदंग मचाने वाले आरोपियों के विरुद्ध सख़्ती से कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था, मामले मे दोनों पक्षो के विरुद्ध अपराध क्रमांक 874/25 धारा 296(बी), 351(2), 115(2), 3(5) बी. एन. एस. एवं अपराध क्रमांक 875/25 धारा 296(बी), 351(2), 115(2), 3(5) बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर मामले मे त्वरित कार्यवाही करते हुए अपराध क्रमांक 874/25 के आरोपी (01) संदीप केशरी पिता स्व. नाथुन प्रसाद केशरी उम्र 57 वर्ष (02) मनीष केशरी पिता प्रमोद केशरी उम्र 38 वर्ष (03) अनीष केशरी पिता प्रमोद केशरी उम्र 28 वर्ष सभी साकिन जोड़ा पीपल थाना कोतवाली अंबिकापुर। एवं अपराध क्रमांक 875/25 के आरोपी (01) रामू ताम्रकार पिता स्व. मथुरा ताम्रकार उम्र 48 वर्ष (02) भारत ताम्रकार पिता स्व. मथुरा ताम्रकार उम्र 43 वर्ष (03) आर्यन ताम्रकार पिता श्री राजेश ताम्रकार उम्र 27 वर्ष सभी साकिन जोड़ा पीपल थाना कोतवाली अंबिकापुर को मामले मे गिरफ्तार किया गया है। मामले मे अग्रिम जांच विवेचना की जा रही हैं, प्रकरण मे आरोपियों के विरुद्ध सरगुजा पुलिस द्वारा सख़्ती से अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जायगी एवं हुडदंग मचाने वाले आरोपियों को बक्शा नहीं जायगा।

एनएच पर रफ्तार बाइक वाहन से टकराई,दो की मौत

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,18 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर-मनेंद्रगढ़ नेशनल हाइवे क्रमांक-43 पर पटना थाना क्षेत्र के ग्राम महोरा में रविवार की देर शाम बाइक सवार युवक व किशोरी मालवाहक वाहन से टकरा गए। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक काफी तेज रफ्तार में बाइक चला रहा था, इसी दौरान अनियंत्रित होकर वह वाहन से टकरा गया। हादसे में युवक व किशोरी की मौत से उनके परिजनों में मातम पसरा हुआ है। कोरिया जिले के पटना थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टेंगनी निवासी यज्ञ सिंह पिता प्रताप सिंह (18) अपनी बाइक पर ग्राम छोटे झूमर निवासी मनीषा सिंह पिता कृष्णा सिंह (16) को बैठाकर रविवार की शाम तेज रफ्तार में जा रहा था। दोनों रात करीब 8 बजे अंबिकापुर-मनेंद्रगढ़ नेशनल हाइवे पर ग्राम महोरा के पास पहुंचे ही थे कि बाइक अनियंत्रित होकर माल वाहक से टकरा गई। हादसे में युवक व किशोरी हवा में उछलते हुए सिर के बल सडक़ पर जा गिरे। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। तेज टक्कर से बाइक भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

मधुमक्खियों के हमले में महिला की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर से लगे ग्राम कोरिमा में जंगल में लकड़ी लेने गई महिला पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया था। परिजन उसे इलाज कराने के बजाए घर में ही छोड़ दिए। इससे उसकी घर में ही मौत हो गई। ममाले में कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार तीज कुंवर पति पीलर अगरिया उम्र 65 वर्ष कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्रम कोरिमा कोरवापारा की रहने वाली थी। वह 15 नवंबर को घर से कुछ दूर जंगल लकड़ी लेने गई थी। जंगल में मधुमक्यिों ने उसपर हमला कर दिया था। वह किसी तरह बचकर घर पहुंची और घटना की जानकारी परिजन को दी।

बिलासपुर उच्च न्यायालय ने पुलिस महानिदेशक को दिया निर्देश

लापरवाह थाना प्रभारियों को एसपी ने 100 रुपए से किया दंडित आईजी ने एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव दंड से किया दंडित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,18 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ बिलासपुर उच्च न्यायालय ने पुलिस महानिदेशक को निर्देशित किया कि आरोपी अभय सिंह उर्फ बंटी व वसीम बारी के विरूद्ध 26 नवंबर 2017 को आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। याचिकाकर्ता आरोपी के विरूद्ध प्रकरण की विवेचना को अनावश्यक रूप से लंबित रख गया। अपराध दर्ज होने दिनांक से आज दिनांक तक के समस्त विवेचक एवं थाना प्रभारी का स्पष्टीकरण प्राप्त कर गंभीरता से जांच करने एवं उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही उपरान्त सम्पूर्ण प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। लापरवाह थाना प्रभारियों को एसपी राजेश अग्रवाल ने 100 रुपए से दंडित किया वही सरगुजा आईजी दीपक कुमार झा ने आगामी एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से एक वर्ष के लिए रोके जाने के दंड से दंडित किया।

जिला सरगुजा थाना अंबिकापुर के अपराध क्रमांक 829/2016 धारा 384, 502, 504, 34, के संबंध में प्रकरण के आरोपी याचिकाकर्ता के विरूद्ध कोई कार्यवाही और न ही उसकी गिरफ्तारी एवं जांच करने में हुई अत्यधिक देरी के कारण वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल जिला सरगुजा के माध्यम से प्रकरण के विवेचकों तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक नरेश चौहान, तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक विनय सिंह बघेल, तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, उप निरीक्षक प्रियेश जॉन तत्कालीन थाना अंबिकापुर, उप निरीक्षक नरेश साहू तत्कालीन थाना अंबिकापुर को निंदा दंडादेश एवं उप निरीक्षक वंशनारायण शर्मा तत्कालीन थाना अंबिकापुर को 100 रुपए का अर्थदंड से दंडित किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला सरगुजा द्वारा दी गई सजा को कृत्य की तुलना में कम प्रतीत होने से पुनरीक्षण में लेकर दी गई सजा को निरस्त करते हुए सरगुज़ा आईजी ने तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक नरेश चौहान,तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक विनय सिंह बघेल,तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष सिंह परिहार,उप निरीक्षक प्रियेश जॉन,तत्कालीन थाना अंबिकापुर,उनि नरेश साहू तत्कालीन थाना अंबिकापुर एवं उप निरीक्षक वंशनारायण शर्मा तत्कालीन थाना अंबिकापुर को आगामी एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से एक वर्ष के लिए रोके जाने के दंड से दंडित किया।

पड़ रही कड़ाके की ठंड के कारण स्कूलों के संचालन का समय में किया गया परिवर्तन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा शीतलहर की चपेट में है। न्यूनतम तापमान 7 से 6 डिग्री के बीच बना हुआ है। पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए कलेक्टर विलास भोस्कर ने जिले के समस्त शासकीय व निजी विद्यालयों के कक्षा संचालन के समय में परिवर्तन किया है। पिछले कई दिनों से पड़ रही कड़ाके की ठंड के कारण बच्चों को सुबह-सुबह स्कूल जाने में परेशानी हो रही थी। जिले के अधिकांश शासकीय व निजी विद्यालय की कक्षाएं सुबह 7.30 बजे शुरू होती थी। ऐसे में बच्चों को ठंड के कारण बीमार पडने की संभावना थी। बच्चों की परेशानी को देखते हुए कलेक्टर ने स्कूलों के कक्षाओं के संचालन में परिवर्तन किया है। दो पाली में संचालित होने वाली शालाओं में प्रथम पाली सोमवार से शुक्रवार का समय सुबह 8.30 से 12 बजे तक, शनिवार को दोपहर 12.15 से 4.15 बजे तक संचालित होंगी।

एन एच 343 बाइपास निर्माण कार्य का जिले के प्रभारी सचिव ने गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने के दिया निर्देश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,18 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

लोक निर्माण विभाग एवं जिले के प्रभारी सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने शहर के निर्माणधीन सड़कों एवं एनएच-343 के अंतर्गत संजयनगर से रजपुरी खुर्द तक निर्माणाधीन अम्बिकापुर बाइपास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिल के प्रभारी सचिव ने सड़क निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता और कार्य व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता पूर्ण निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। प्रभारी सचिव डॉ सिंह ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और आमजन की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में ध्यान में रखा जाए। बता दें कि एनएच-343 बाइपास की कुल लंबाई 13.700 किलोमीटर है। इस मार्ग पर 19 पाइप पुलिया और 7 बॉक्स पुलिया का निर्माण प्रस्तावित है। बाइपास के निर्माण से शहर के भीतर से गुजरने वाले भारी वाहनों का दबाव कम होगा, जिससे शहर में यातायात सुगम होने के साथ ही दुर्घटनाओं की संभावना भी घटेगी। इस दौरान मुख्य अभियंता (रा.रा.) रायपुर श्री ज्ञानेश्वर कश्यप, अधीक्षण अभियंता श्री जे.पी. तिग्गा, कार्यपालन अभियंता श्री आर.डी. ताम्बे, सहायक अभियंता श्री निखील लकड़ा तथा संबंधित निर्माण एजेंसी के ठेकेदार उपस्थित थे।

हज से लौटा संचालक... जिसने खुद कहा था 'जुआ हराम हैं' फिर फड़ चला रहा!

दैनिक घटती-घटना की खबर का असरः जंगल से जुआ का तंबू उखड़ा,क्या पुलिस ने संरक्षण से हाथ खींच लिया?

खबर प्रकाशित होते ही जुआरी पत्रकारों को 'जारी' की गुहार,लेकिन कलम नहीं रुकी...

सवाल–जब फड़ बंद हुआ तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

घटती घटना
सरगुजा - अंतर्राष्ट्रीय समाचार
अम्बिकापुर, सोमवार 17 नवम्बर 2025
4
जंगल में तंबू और तंबू के नीचे करोड़ों का जुआ...क्या पुलिस खुद संरक्षक? सूरजपुर के मानी जंगल में रोज़ करोड़ों का दांव!
सूरजपुर-उदयपुर की सीमा बनी अवैध जुआ का अड्डा...चार दिन में 1 करोड़ की कमाई–शमशेर गैंग का खुलासा
» पार्षद, पुलिसकर्मी का भाई और बाहरी जुआरी,जंगल में बड़ा रैकेट
» क्या पुलिस तंबू लगाकर जुआ चलवा रही है? जनता के सवाल तेज़
» मानी जंगल में रोजाना 40-50 जुआरी,पुलिस का 'ज़ीरो' एक्शन
जंगल में तंबू... और तंबू के नीचे जुआ!

-शमरोज खान-
सूरजपुर,18 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।
जिला सूरजपुर के मानी-उदयपुर सीमा पर स्थित जंगल में तंबू लगाकर जुआ फड़ संचालित हो रहा था,जिस खबर को दैनिक घटती-घटना ने 16-17 नवंबर को प्रकाशित किया था जिसमें जंगल-जुआ रैकेट का खुलासा किया था। उसका असर अब खुलकर सामने आ गया है,जंगल में लगा लाखों का जुआ तंबू अचानक उखड़ गया,फड़ बंद हो गया,और पूरा नेटवर्क भूमिगत हो गया,सूत्रों के अनुसार,जिस गिरोह को अब तक 'सुरक्षित संरक्षण' प्राप्त था,वही लोग अब जारी को कहने लगे अब बंद कर दो...अब हम तुम्हारा साथ नहीं दे पाएंगे। यानी खबर छपने के बाद जिस पुलिस संरक्षण की चर्चा थी, वह अचानक खत्म हो गया, दैनिक घटती-घटना को मिली जानकारी के अनुसार, चार पत्रकारों को लगातार फोन कर खबर न छापने की गुहार लगाई गई,लेकिन अखबार ने अपनी कलम नहीं रोकी,नतीजा तंबू उखड़ा,जुआ बंद...लेकिन कार्रवाई आज भी शून्य।

जंगल में तंबू, तंबू के नीचे करोड़ों का जुआ,क्या पुलिस खुद 'संरक्षक'? यह सवाल अब और तेज़

सूरजपुर-उदयपुर सीमा के मानी जंगल में एक विशाल तंबू लगाकर हर दिन 40-50 जुआरी करोड़ों का दांव लगाते थे,यह नेटवर्क साधारण नहीं चार दिनों में 1 करोड़ से ज्यादा की कमाई,और यह पूरा ऑपरेशन संचालित करता था शमशेर खान गिरोह...

सबसे बड़ा सवालः पुलिसकर्मी का भाई शामिल? क्या यह था 'सुरक्षा कवच'

सूत्र बताते हैं कि गिरोह में साइबर सेल के एक पुलिसकर्मी का भाई भी सक्रिय था, ग्रामीणों का सवाल...क्या इसी रिश्तेदारी के कारण जुआ फड़ पर छापा नहीं पड़ा?

स्थानीय लोगों की दहाड़ः इतनी बड़ी गतिविधि पुलिस को भनक न लगे? या पुलिस सब जानती थी?

चर्चा है तंबू चार दिन पहले लगा,रोज़ 40-50 जुआरी पहुंचे,करोड़ों का दांव लगा,कई क्रॉस-बॉर्डर खिलाड़ी आए,पर पुलिस मौन रही,क्या यह संरक्षण बिना किसी 'ऊपर से इशारे' के संभव था?

दैनिक घटती-घटना की खबर के बाद अचानक तंबू उखड़ा, लेकिन एफआईआर/छापा क्यों नहीं?

खबर छपते ही–तंबू उखड़ गया,पूरा गैंग भाग गया,खेल बंद हो गया, लेकिन कार्रवाई अब भी शून्य,ग्रामीणों ने सवाल उठाया जब जुआ चल रहा था तब पुलिस सोई थी,अब बंद हुआ तो कार्रवाई की हिम्मत क्यों नहीं?

जुआरी का रोना...पत्रकारों को फोन करके खबर रोकने की कोशिश

रिपोर्ट के अनुसार, जारी ने चार पत्रकारों को फोन कर कहा–भाई खबर मत छापिए.. हम पर दबाव है... स्थिति संभालने में मदद कीजिए लेकिन जब खबर छपी, तो जिन पुलिसकर्मियों पर संरक्षण देने का आरोप था, उन्होंने ही कहा 'अब बंद कर दो.. आगे हमारा सहयोग नहीं ले पाओगे। दैनिक घटती-घटना ने स्पष्ट किया है कि यह 'सूत्र जानकारी' है, अखबार इसकी पुष्टि नहीं करता।

पार्षद और पुलिस परिवार की भागीदारी लोकतंत्र का पतन...पुलिस अनुशासन का अपमान...

पार्षद का नाम इस रैकेट में आना,और पुलिसकर्मी के भाई का शामिल होना,यह सिर्फ कानून का नहीं,समाज और व्यवस्था का अपमान है।

हज से लौटा संचालक...जिसने खुद कहा था 'जुआ हराम हैं'... अब फिर फड़ चला रहा...

संचालक हज करने के बाद बोला था जुआ हराम है,मैं छोड़ रहा हूँ। लेकिन वही व्यक्ति आज फिर फड़ में शामिल है,यह सांस्कृतिक और धार्मिक ढोंग का सबसे बड़ा उदाहरण है।

स्थानीय मांगःतत्काल छापा,उच्चस्तरीय जांच... शामिल सभी नामों की हो गिरफ्तारी...

चाहे पार्षद हो,चाहे पुलिसकर्मी के परिवार से हो, या बाहरी राज्य का खिलाड़ी जनता की मांग साफ़ है ÷बिना संरक्षण कोई जुआ फड़ इतना बड़ा नहीं चलता। जांच हो...और निष्पक्ष हो।

गिरोह में शामिल नाम (सूत्रों के अनुसार)

- शमशेर खान (मुख्य संचालक)
- विवेक
- मशहूर उर्फ छोटे खान
- राजकुमार
- बबलू
- दो बाहरी राज्य के खिलाड़ी

पुलिस पर सबसे बड़े प्रश्न अब ये हैं

- क्या पुलिस को जुआ फड़ की जानकारी नहीं थी?
- या पुलिस जानकर भी अनदेखी कर रही थी?
- क्या जुआ संचालकों और पुलिस के बीच कोई गुप्त सांठगांठ है?
- क्या सीमा विवाद पुलिस के लिए एक बचाव कवच था?
- खबर छपते ही तंबू उखड़ा – क्या यह प्रमाण नहीं कि संरक्षण था?
- अगर जुआ बंद हो सकता है तो कार्रवाई क्यों नहीं हो सकती?

बालको क्षेत्र में डकैती की बड़ी साजिश का पुलिस ने किया पर्दाफाश

19 आरोपियों को किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरबा,18 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।
पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर,नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा भूषण एक्का एवं नगर पुलिस अधीक्षक दर्री विमल पाठक के कुशल निर्देशन में थाना बालको क्षेत्र में हुई संदिग्ध घटना को गंभीरता से लेते हुए एक विशेष जांच टीम गठित की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश के आधार पर पुलिस के पांच अलग-अलग टीम बनाया गया जिसमें विभिन्न थाना के अधिकारी एवं कर्मचारी के साथ साइबर सेल कोरबा की टीम मिलकर काम कर रही थी इस टीम 05 टीमों में कल 50 अधिकारी एवं कर्मचारी थे एक टीम घटना स्थल पर केम्प किया व अन्य टीम cct1 चेक, सूचना संकालन, विवेचना कार्य आदि बनाकर घटना के विभिन्न पहलुओं पर जांच किया जा रहा था जिसमें

सभी पहलुओं की बारीकी से तकनीकी विश्लेषण, मैदानी जांच एवं सूचना तंत्र के आधार पर आरोपियों की पहचान कर थाना बालको अपराध क्रमांक- 707/2025 धारा- 310(2), 310(4),61 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत 19 आरोपियों को गिरफ्तारी की गई। यह घटना दिनांक 06.11.2025 एवं 11.11.2025 को ग्राम तरईडाँड़ निवासी शत्रुघन दास के घर पर लगभग करोड़ रुपए की राशि होने की जानकारी मिलते ही संगठित रूप से डकैती की योजना बनाई गई। मुख्य आरोपी चंद्रकांत डिसेना ने अपने साथियों को संपर्क कर बुलाया। योजना में साहेब दास, पवनपूजन सिंह, रणु साहू, गोरेलाल पटेल, रितेश श्याम, गुनितराम पटेल सहित अन्य आरोपी शामिल थे।आरोपीगण अलग-अलग वाहनों से रात में घटनास्थल पहुँचे। रैकी की गई, परंतु ग्रामीणों की सतर्कता एवं पुलिस गश्त की आशंका के कारण आरोपी घटना को अंजाम दिए बिना लौट गए। कोरबा पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि, किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या गतिविधि की सूचना तत्काल थाना बालको या डायल 112 में दें। आपकी सूचना गोपनीय रखी जाएगी एवं उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202511020700089

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः- राजस्व सन्:-2025-26

अंबिकापुर (प.ह.नं.00015)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार- आवेदक पक्षकार मे0 चनान इन्फ्रास्टक्चर 15/198 ब्रम्हरोड अं.पुर राजेश कुमार अग्रवाल, शफी अहमद,शैलेन्द्र सोनी,राजेश मलिक, राजीव अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल,
अनावेदक पक्षकार- मे0 चनान इन्फ्रास्टक्चर 15/198 ब्रम्हरोड अं.पुर राजेश कुमार अग्रवाल, शफी अहमद, शैलेन्द्र सोनी, राजेश मलिक, राजीव अग्रवाल,सौरभ अग्रवाल,

ईश्तहार

आवेदक शैलेन्द्र सोनी आ0 रामलखन, निवासी सदर रोड, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा न्यायालय श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश महोदय वर्ग-1, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के व्य0वा0क्र0 CSA/261/2022 में पारित आदेश दिनांक 08.05.2025 के परिपालन में ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 2540/3, 2540/5, 2541/2, 2542/2, 2542/3 रकबा क्रमशः 1.343, 0.690, 0.468, 0.179 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22.12.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/11/2025 को जारी किया जाता है।

(सील) उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202511020700070

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः- राजस्व सन्:-2025-26

फुन्दुरडिहारी प.ह.न.00016 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार- बसंत केवट,
अनावेदक पक्षकार- छ0ग0शासन,

ईश्तहार

आवेदक बसंत केवट आ स्व0 समयलाल, निवासी ग्राम फुन्दुरडिहारी, तहसील अम्बिकापुर. जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 130/24 रकबा 0.040 हे0 भूमि को आवेदक के पिता द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 17.07.1984 के माध्यम से क्रय किया गया है। क्रय उपरांत उक्त रकबा 0.040 हे0 में से रकबा 0.020 हे0 भूमि को विक्रय कर दिया गया है। विक्रय उपरांत आवेदक के खाता में रकबा 0.020 हे0 भूमि बचत होना चाहिये था, किन्तु वर्तमान राजस्व अभिलेखों में खसरा नंबर 130/24 रकबा 0.012 हे0 भूमि दर्ज है। आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि के रकबा में हुये त्रुटि को सुधार करते हुये रकबा 0.012 हे0 के स्थान पर रकबा 0.020 हे0 अंकित किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जाँच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05.12.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/11/2025 को जारी किया जाता है।

(सील) उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर.छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0...ब/121 वर्ष
ग्राम - प0ग0न0

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लोकेश्वर पिता भैयालाल जाति गोंड निवासी ग्राम बसकर प.ह.न. 04 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र/पुत्री प्रकाश सिंह का जन्म दिनांक 16.06.2013 को ग्राम बसकर में हुई है अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री प्रकाश सिंह का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत बसकर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 26/11/25.तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं । नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।
आज दिनांक 10/11/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

(सील) कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान
जिला-सूरजपुर,छ0ग0

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202511020700086

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः- राजस्व सन्:-2025-26

अंबिकापुर (प.ह.नं.00015)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार- मेसर्स चनान इन्फ्रास्टक्चर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 पार्टनर-सफी अहमद, शैलेन्द्र सोनी,
अनावेदक पक्षकार-मेसर्स चनान इन्फ्रास्टक्चर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 पार्टनर -सफी अहमद,शैलेन्द्र सोनी,

ईश्तहार

आवेदक शैलेन्द्र सोनी आ0 रामलखन, निवासी सदर रोड, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 2494/1, 2494/5 रकबा क्रमशः 0.087, 0.260 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22.12.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/11/2025 को जारी किया जाता है।

(सील) उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202511020700010

विषयः-ब-21 मामले की श्रेणीः- राजस्व सन्:-2025-26

फुन्दुरडिहारी प.ह.न.00016 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-अनुप मिंज,
अनावेदक पक्षकार- छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

आवेदक अनुप मिंज आ0एलियास मिंज व अन्य निवासी ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 136/113 रकबा 0.025 हे0 भूमि के द्वितीय प्रति ऋष्ा पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 28.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/11/2025 को जारी किया जाता है।

(सील) उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा.छ0ग0

रा0प्र0क0 202511021700040 /अ-27/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कलसाय आ0 जगदेव व अन्य, निवासी ग्राम मेण्ड्राखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा द्वारा ग्राम मेण्ड्राखुर्द स्थित भूमि खसरा न0 5, 6, 384/3, 736/14, 736/20, 781/2, 800, 803/11, 867/1 रकबा क्रमशः 0.065, 0.024, 0.380, 0.182, 0.182, 0.162, 0.032, 0.324, 0.202 हे0 कुल खसरा नंबर 09 कुल रकबा 1.561 भूमि का अनावेदक गंगा राम आ. शिवबरन व अन्य, निवासी ग्राम मेण्ड्राखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्य खाता विभाजन कराने बावत् आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत् प्रस्तुत की गई है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05/12/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।
आज दिनांक 11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा.छ0ग0

रा0प्र0क0 /ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गोपाल सरदार आ0बवेन सरदार निवासी ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 212/1 रकबा 0.570 है0 भूमि में से 05 डिसमिल भूमि को अनावेदक रमेश राय आ स्व0 फूलचंद राय निवासी ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राषि रुपये 7,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 26.11.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।
आज दिनांक- 06/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा

आम सूचना

प्रमाणित किया जाता है कि, मनीष कुमार ली आत्मज वेंजामिन ली, निवासी मझलीपारा, सरगंवा, थाना गांधीनगर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा प्रतापपुर नाका स्थित भूमि खसरा नंबर 2010/1 रकबा $3.50^{1/4}$ एकड़ में से रकबा 60 वर्ग मीटर एवं खसरा नंबर 2010/1 रकबा $3.50^{1/4}$ एकड़ में से 52 वर्ग मीटर के संबंध में माननीय आयुक्त महोदय सरगुजा संभाग, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के समक्ष एक अपील मनीष कुमार ली प्रति लालचंद्र अग्रवाल प्रस्तुत किया गया है, जिसमें दिनांक 10.11.2025 को माननीय आयुक्त महोदय के द्वारा उपरोक्त वर्णित भूमि पर आवेदक मनीष कुमार ली के पक्ष में स्थगन प्रदान करते हुये भूमि के अंतरण पर रोक लगाते हुये यथास्थिति का आदेश प्रदान किया गया है। इस कारण आमजन को सूचित किया जाता है कि, उक्त भूमि के क्रय विक्रय से संबंधित किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही न करें, अन्यथा किसी भी प्रकार के जोखिम की जिम्मेदारी उनकी स्वयं की होगी।
स्थानः- अम्बिकापुर
दिनांकः- 18/11/2025

सूचनादाता
मनीष कुमार ली
मझलीपारा, सरगंवा, अम्बिकापुर,
जिला सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर.छ0ग0

सार्वजनिक उद्घोषणा/ईश्तहार

क्रमांक/1584/ वाचक-2/2025
सूरजपुर दिनांक 07/11/2025

सर्व साधारण ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम /नगर महंगवा प0ह0नं0...10 तहसील - सूरजपुर, जिला सूरजपुर सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक जीवन राम पिता मनीराम जाति रजवार निवासी ग्राम महगवां पो8 सूरजपुर थाना सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला-सूरजपुर(छ0ग0 ने अपने बहन अम्बिका पिता मनीराम मृत्यु तिथि 05/02/2000 स्थान महंगवा के मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें कार्यवाही की जा रही है।
अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति/आक्षेप हो तो वे स्वय अथवा अपनें अभिभावक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 21/11/ 2025 दिन शुक्रवार को उपस्थित होकर दावा / आपत्ति/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।
आज दिनांक 07/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

(सील) तहसीलदार
सूरजपुर,छ0ग0

26 साल की सेवा...

पर पीछे छूट गई अनियमितताओं की भारी फाइल

जीपीएफ भुगतान रोकने की शिकायत बेअसर,महालेखाकार कार्यालय ने कहा-मामला हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं...

शिकायत में लगाए गए प्रमुख आरोप

दस्तावेज़ों और आरटीआई से मिली सूचनाओं के आधार पर किए गए आरोप इतने गंभीर हैं कि किसी भी विभाग को तत्काल जांच बैठानी चाहिए थी। लेकिन हुआ कुछ नहीं...

1. 26 साल प्रभारी प्राचार्य,कैशबुक 4 साल तक योग नहीं,पीडी कैशबुक का योग न होना सीधे-सीधे वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है।
2. कैशबुक में बड़े पैमाने पर कटिंग, कई पेज पूरे कैंसिल और सबसे चौंकाने वाली बात–कहीं भी हस्ताक्षर नहीं! सरकारी रजिस्टर में बिना हस्ताक्षर के सुधार करना गम्भीर अपराध माना जाता है।
3. नियमों के खिलाफ प्राचार्य खुद कैशबुक लिखते थे जिन्हें लिपिक के प्रभार में होना चाहिए था,वह स्वयं लिखकर सारा नियंत्रण अपने पास रखते थे,ऐसे में त्रुटि के लिए जिम्मेदार कौन?
4. पत्नी को भी लाभ,20 साल से उसी कॉलेज में पदस्थ,फिर नए कॉलेज पोड़ी बचरा में भी प्रभारी प्राचार्य,शिकायतकर्ता ने इसे 'प्रशासनिक संरक्षण' बताया।
5. क्रीड़ा व लैब सामग्री में लाखों की अनियमितता स्टॉक रजिस्टर और बिल मिलान में कई संदेह।
6. सेवा निवृत्ति के महीने, जनवरी 2025 में 40 लाख की खरीदी, आखिरी महीने इतनी भारी खरीदी किस अनुमति से?
7. नए महाविद्यालय शुरू होते ही इन्हें प्रभार और फिर शुरू होता था 'खरीदी का खेल',नागपुर,पटना और पोड़ी बचरा कॉलेज जहाँ भवन ही नहीं,मात्र 2 3 कमरे लेकिन लाखों की फर्नीचर, लैब, क्रीड़ा सामग्री की खरीदी।
8. बैक-डेट में स्टॉक चढ़ाना नियमों का खुला उल्लंघन
9. मजदूरी–लाखों रुपये निकाल लिए,मस्टर रोल या उपस्थिति रजिस्टर कुछ भी नहीं,सीधा-सीधा फर्जी भुगतान का संकेत।
10. मजदूरी का पैसा पहले अपने खाते में लेकर, फिर 'नकद भुगतान' दिखाया गया,जबकि मनरेगा से लेकर सभी विभागों में मजदूरी का भुगतान सीधा खाते में होता है।
11. 5,000 से अधिक के भुगतान वेंडर अकाउंट से होने चाहिए, परन्तु 1,50,000 तक अपने खाते से निकाले गए, बिलों पर पावती भी नहीं।
12. छोटे जिले में असामान्य रूप से अधिक फंड यह भी जांच का विषय

और इसलिए...यह अंतिम खबर है...

क्योंकि जब सच बोलना असरहीन हो जाए, और भ्रष्टाचार करने वाले विजयी हो जाएं,तो पत्रकारिता सिर्फ दर्पण दिखा सकती है फैसला व्यवस्था को करना है।

शिकायतें राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री तक गईं, खबरें छपीं फिर भी कार्रवाई शून्य

26 साल की अनियमितताएँ... शिकायत राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री तक पहुँची, फिर भी कार्रवाई शून्य

दैनिक घटती घटना की रिपोर्ट भी बेअसर – और अब जीपीएफ भुगतान भी कर दिया गया!

-रवि सिंह-

कोरिया,18 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। जिले के अग्रणी और प्रतिष्ठित शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 26 वर्षों तक प्रभारी प्राचार्य रहे डॉ. अखिलेश चन्द्र गुप्ता के खिलाफ गंभीर वित्तीय अनियमितताओं की शिकायतें आज भी हवा में लटकी हैं, सेवानिवृत्ति के अंतिम महीनों में ही लाखों रुपये की खरीदी, कैशबुक में गड़बड़ियां,स्टॉक में हेराफेरी,फर्जी मजदूरी भुगतान,इन सबका विस्तृत विवरण दस्तावेजों सहित सामने आने के बावजूद कार्रवाई का नाम तक नहीं,सोचने वाली बात यह है कि सेवानिवृत्त होने के बाद भी डॉ. गुप्ता अनाधिकृत रूप से कॉलेज जाकर दस्तावेज जला देते है, और फिर भी विभाग चुप है,क्या यह नियमों का उल्लंघन नहीं? क्या सेवानिवृत्त कर्मचारी को अब भी विभागीय संरक्षण प्राप्त है? सरकारी कॉलेजों में मची वित्तीय अव्यवस्था,करोड़ों की खरीदी, फर्जी मजदूरी भुगतान, बिना हस्ताक्षर की कैशबुक,पत्नी को लाभ,बैकडेट एंट्री,और अनगिनत गड़बड़ियों की शिकायत राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री,मुख्यमंत्री,मुख्य सचिव, आयुक्त,सचिव से लेकर कलेक्टर तक सभी बड़े अधिकारियों को भेजी गई लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि किसी एक भी संस्था ने आज तक न जांच शुरू की,न कार्रवाई ही किसे ने की,इतना ही नहीं, जिस अधिकारी पर गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप थे,उनके जीपीएफ भुगतान को भी बिना जांच पूर्ण करा दिया गया, शिकायतकर्ता ने इसे प्रशासनिक मिलीभगत बताया है।

बता दे की डॉ. अखिलेश्वर चंद गुप्ता के जीपीएफ खाते (सीईडी/310653) का अंतिम भुगतान रोके जाने को लेकर की गई शिकायत पर अब लेखा एवं सहकारी विभाग,महासमुंद ने अपना स्पष्ट पक्ष रखते हुए कहा है कि यह मामला उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। विभाग ने पत्र जारी कर साफ लिखा है कि आवेदक द्वारा उठाए गए बिंदुओं पर कोई कार्रवाई करना उनके अधिकार में नहीं आता, पत्र संख्या मि.नि./विधि/ 04/1987, दिनांक 7/11/25 में विभाग ने आवेदक द्वारा भेजे गए पत्र का जवाब देते हुए कहा।

दैनिक घटती घटना की खबरें, धारदार, दस्तावेज़ आधारित पर असर अब शून्य

दैनिक घटती घटना ने इस मामले पर लगातार रिपोर्टिंग की, फाइलों के तथ्य, आरटीआई से मिली जानकारी, कैशबुक के पन्ने, खरीदी के बिल, मजदूरी के भुगतान, स्टॉक एंट्री का विश्लेषण, सब कुछ प्रिंट किया लेकिन अंत परिणाम? सच की कोई सुनवाई नहीं, जब सरकार के पास वाले विभाग की सच्चाई भी असर न करे, तो ये सवाल उठना लाजमी है क्या अब इस सरकार में सच छापने से भी कुछ नहीं होने वाला?

घटती घटना
अम्बिकापुर,शुक्रवार 19 सितम्बर 2025 6

26 सालों तक प्रभारी प्राचार्य बनने का सौभाग्य प्राप्त
अखिलेश चंद्र गुप्ता
के भ्रष्टाचार की जांच की जिम्मेदारी
आयुक्त उच्च शिक्षा रायपुर को मिली
क्या होगी जांच?

घटती घटना
कोरिया समाचार
अम्बिकापुर, शुक्रवार 14 नवम्बर 2025 6

क्या महालेखाकार कार्यालय में भी बढ़ रही है
अनियमितता की गंध?

मामले पर कई सवाल भी खड़े हुए...

क्या शिकायत गलत विभाग को भेजी गई थी?

क्या आवेदक को गलत जानकारी दी गई थी?

भुगतान रोकने की वास्तविक वजह क्या है, प्रशासनिक देरी या तकनीकी कारण?

विभाग मुख्यमंत्री के पास...पर कार्रवाई कहीं नहीं!

उच्च शिक्षा विभाग मुख्यमंत्री के पास है,फिर भी इस विभाग से जुड़ी शिकायतें वर्षों से लंबित हैं,इस मामले में कोई न जांच समिति बनी, न रिपोर्ट आई, न जवाबदेही तय हुई, क्या मुख्यमंत्री के विभाग पर भी अब किसी की पकड़ है? या फिर शिकायतें फाइलों में दबाना ही नया सिस्टम बन गया है?

प्रश्न उठता है...फिर इतना संरक्षण कहां से मिल रहा है?

दस्तावेजों में साफ-साफ वित्तीय गड़बड़ियों दर्ज,चार साल से कैशबुक में योग नहीं, बिना हस्ताक्षर के कटिंगङ्घपेज कैंसिल, बैक डेट में स्टॉक एंट्री, फर्जी मजदूरी, लाखों का भुगतान पहले अपने खाते में, अंतिम महीने 40 लाख की खरीदी,नए कॉलेजों में मनमानी, पत्नी को अनियमित लाभ इनमें से कोई भी आरोप मामूली नहीं, फिर भी कार्रवाई ठंडे बस्ते में क्यों? क्या ऊपर तक संरक्षण मिलने से ही इतना आत्मविश्वास है? क्योंकि शिकायतकर्ता के अनुसार, डॉ. गुप्ता हमेशा कहते थे हम जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं और सच यही है,इस मामले में भी उन्होंने वही कर दिखाया।

महालेखाकार का जवाब अंतिम चोट

महालेखाकार कार्यालय ने हाल ही में जवाब देते हुए साफ लिखा की शिकायत में उठाए गए मुद्दे हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं आते यानी न जांच,न पूछताछ,न कार्रवाई, इसका सीधा मतलब अब इस मामले में किसी कार्रवाई की उम्मीद खत्म,और इसलिए यह इस मामले पर 'दैनिक घटती घटना' की अंतिम खबर है,जब सच बोलना बहादुरी बन जाए और सच्चाई छापना बेअसर,जब भ्रष्टाचार करने वाले विजयी हो जाएं और दस्तावेज़ भी किसी को न हिला सकें तो वहाँ पत्रकारिता नहीं, व्यवस्था दोषी होती है,इसलिए यह स्पष्ट किया जा रहा है यह इस मामले में 'दैनिक घटती-घटना' की अंतिम खबर है क्योंकि सच का गला एक बार फिर उसी व्यवस्था ने दबा दिया जो आम जनता के पैसों और विश्वास से चलती है।

शिकायत में उल्लिखित बिंदु 1 से 6 इस कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में नहीं

महालेखाकर अधिकारी ने अपने जवाब में कहा है कि शिकायत में उठाए गए मुद्दे इस दफ्तर के अधिकार व कार्य-क्षेत्र में नहीं आते,इसलिए इन बिंदुओं पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई संभव नहीं,विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जीपीएफ अंतिम भुगतान की प्रक्रिया नियमों के अनुसार की जाएगी यानी जिस 'अनियमितता' या 'रोक' की शिकायत की गई थी, वह सीधे इस कार्यालय से संबंधित ही नहीं है।

नियमों के अनुसार ही होगा अंतिम भुगतान

पत्र के अंतिम भाग में यह उल्लेख है कि ÷जीपीएफ अंतिम भुगतान प्रकरण का निराकरण जीपीएफ नियमों के अंतर्गत किया जाएगा।÷ जिसका सीधा मतलब है कि फाइल अब नियमों के अनुसार आगे बढ़ेगी और भुगतान पूरी प्रक्रिया पूरी होने पर ही जारी होगा।

जब सच भी हार जाए... 26 वर्षों की अनियमितताओं पर चुप्पी–क्यों?

कोरिया जिले के सबसे पुराने महाविद्यालय में वर्षों तक चली वित्तीय गड़बड़ियों की शिकायतें आज भी फाइलों में बंद पड़ी हैं, सबसे विचलित करने वाली बात यह है कि सेवानिवृत्ति के अंतिम दिनों में लाखों की खरीदी, फर्जी मजदूरी, कैशबुक से हेरफेर जैसी गंभीर अनियमितताओं पर कोई कार्रवाई ही नहीं हुई।

सरकार का विभाग...पर जिम्मेदारी कौन लेगा?

उच्च शिक्षा विभाग मुख्यमंत्री के पास है तो क्या मुख्यमंत्री के विभाग में भी अब शिकायतों का यही हश्र होगा? क्योंकि यदि इतने बड़े आरोपों पर भी जांच न हो, तो यह संदेश स्पष्ट है शिकायतें सिर्फ औपचारिकता हैं, न्याय नहीं।

'सच' को भी अनसुना करने वाली व्यवस्था

'दैनिक घटती-घटना' ने महीनों तक दस्तावेज़ आधारित रिपोर्टिंग की, कैशबुक के पन्नों से लेकर खरीदी के बिल तक,हर सच्चाई सामने रखी, लेकिन सच की कीमत वही शून्य।

प्रश्न यही है–इतना संरक्षण कौन देता है?

जब सेवानिवृत्ति के बाद भी कोई व्यक्ति कॉलेज में जाकर दस्तावेज जला दे, और विभाग चुप रहे, तो यह सिर्फ लापरवाही नहीं यह संरक्षण है, और संरक्षण हमेशा नीचे से नहीं मिलता।

50 की उम्र में भी 25 वाली चमक

क्या है महेश बाबू की फिटनेस और ग्लोइंग स्किन का राज?

महेश बाबू इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म की जमकर चर्चा है। इसके साथ ही उनकी फिटनेस भी लोगों का ध्यान खींच रही है और लोग जानना चाहते हैं कि एक्टर खुद को इतना फिट कैसे रखते हैं...

दिग्गज फिल्म निर्माता एसएस राजामौली ने अपनी अपकमिंग बड़ी फिल्म वाराणसी का टाइटस अनाउंस कर दिया है। महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा फिल्म में लीड रोल निभाने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर महेश बाबू लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। 15 नवंबर को हैदराबाद में आयोजित भव्य लॉन्च इवेंट का सीधा प्रसारण किया गया। इसने पूरे सोशल मीडिया को हिलाकर रख दिया। जैसे ही मंच पर महेश का बहुप्रतीक्षित फर्स्ट लुक और टाइटल टीजर जारी हुआ, प्रशंसकों की प्रतिक्रियाएं उमड़ पड़ीं। हर कोई 50 साल के तेलुगु सुपरस्टार की मुस्कान और चेहरे के निखार की तारीफ कर रहा था, जिससे कई लोग यह सोचने पर मजबूर हो गए कि वह अभी भी 20 के दशक के कैसे दिखते हैं।

साल के 365 दिन ट्रेनिंग

भले ही महेश बाबू अपनी व्यक्तिगत फिटनेस दिनचर्या पर चुप्पी साधे रहते हों,लेकिन उनके ट्रेनर कुमार मन्नवा ने TOI से बातचीत में उनकी अविश्वसनीय अनुशासन और जीवनशैली का खुलासा किया था। मन्नवा के अनुसार, महेश का समर्पण अभिनेताओं में भी असाधारण है। ट्रेनर ने बताया कि ज्यादातर कलाकार केवल फिल्मी किरदारों की तैयारी के लिए जोरदार ट्रेनिंग करते हैं, लेकिन महेश बाबू साल भर अपने शरीर को महत्व देते हैं और वर्कआउट कभी नहीं छोड़ते। उनके रूटीन का लक्ष्य बड़े बदलाव लाने पर नहीं, बल्कि साल के 365 दिन लगातार मेहनत करते हैं ताकि वो खुद को फिट बनाए रखें।

90 मिनट का वर्कआउट रूटीन

महेश बाबू हफ्ते में पांच दिन वर्कआउट करते हैं। उनका हर सेशन शरीर के एक खास हिस्से पर केंद्रित होता है और इसकी अवधि आमतौर पर 60 से 90 मिनट तक होती है। मन्नवा ने बताया कि उनके रूटीन का एक जरूरी हिस्सा जोरदार स्ट्रेचिंग है। यह लचीलापन बढ़ाने और एक्शन से भरपूर भूमिकाओं के लिए उनकी क्षमता को निखारने में मदद करता है। यह ट्रेनिंग सिर्फ सिक्स-पैक एब्ज के लिए नहीं, बल्कि समग्र फिटनेस के लिए डिजाइन की गई है।

लंबाई है चुनौती, अनुशासन है जवाब

ट्रेनर ने यह भी खुलासा किया कि महेश के लंबे कद के कारण मांसपेशियों का विकास, विशेष रूप से बाहों और पैरों में थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो जाता है। मन्नवा ने कहा, अपनी ऊंचाई और लंबे अंगों की वजह से कुछ हिस्सों में मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। हालांकि, सुपरस्टार अपनी निरंतरता और नियंत्रित प्रशिक्षण के साथ इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार करते हैं।

रणवीर सिंह ने उतारी संजय दत्त की नकल

धुरंधर ट्रेलर लॉन्च में एक्टर ने मजाकिया अंदाज कहा...अगर बोल दूंगा तो वायरल हो जाएगा

रणवीर सिंह की मच अवेटेड फिल्म धुरंधर का ट्रेलर रिलीज हो गया है। मुंबई में ट्रेलर लॉन्च इवेंट रखा गया था, जिसमें संजय दत्त को छोड़ फिल्म की बाकी कास्ट शामिल हुई।

इस खास मौके पर रणवीर सिंह खूब मस्ती करते नजर आए। ट्रेलर लॉन्च इवेंट का कई वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल है, उनमें से एक में रणवीर संजय दत्त का डायलॉग कॉपी करते दिख रहे हैं। वीडियो में नजर आता है कि वहां मौजूद फिल्म के डायरेक्टर आदित्य धर रणवीर से संजय दत्त की नकल करने के लिए बोलते हैं। रणवीर हंसते हुए कहते हैं कि आप ने तो ट्रेलर में दिखा दिया। अगर मैं बोल दूंगा तो वायरल हो जाएगा। फिर थोड़ा झिझकने के बाद वो ट्रेलर में दिखाए गए संजय दत्त के डायलॉग को उनके अंदाज में कॉपी करते हैं। रणवीर के डायलॉग बोलते ही तालियां बजने लगती हैं। बता दें कि धुरंधर में संजय दत्त विलेन का रोल निभा रहे हैं। उनके किरदार का नाम जिन्न है, जो बेहद ही खूंखार और बेरहम होता है।

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में भावुक हुए रणवीर सिंह

मंगलवार को फिल्म धुरंधर का ट्रेलर लॉन्च इवेंट रखा गया था, जिसमें फिल्म की स्टारकास्ट मौजूद रही। इस दौरान रणवीर सिंह मीडिया से बातचीत में काफी भावुक हो गए। नम आंखों के साथ एक्टर पसीना पोंछते दिखे।

5 दिसंबर को रिलीज होगी धुरंधर

फिल्म धुरंधर को आदित्य धर ने लिखा और डायरेक्ट किया है। आदित्य इससे पहले फिल्म उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक बना चुके हैं। जियो स्टूडियो के बैनर तले बनी ये फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का कंपोजिशन शाश्वत ने किया है, जिसमें सिंगर जैस्मिन और हनुमान काइंड ने आवाज दी है। इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ सारा अर्जुन फीमेल लीड हैं।

गीतांजलि की हीरोइन गिरिजा शेट्टार याद हैं? बीच में ही छोड़ी आमिर खान की फिल्म,सालों से कहां हैं गायब?

मणिरत्नम सिनेमा की दुनिया के वो दिग्गज हैं, जिनके साथ काम करना हर कलाकार का सपना होता है। उन्होंने भारतीय सिनेमा को कुछ ऐसी कहानियां दी हैं, जो बेहद खास और अनमोल हैं। मणिरत्नम की एक ऐसी ही क्लासिक लव स्टोरी गीतांजलि भी है, जिसमें अभिनेत्री गिरिजा शेट्टार नजर आई थीं। फिल्मी दुनिया में कुछ ऐसे कलाकार हैं, जिन्हें वन-हिट वंडर्स कहा जाता है और उन्हीं में से एक गिरिजा शेट्टार भी हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि ये कलाकार अपनी एक ही फिल्म से ऐसे छा जाते हैं कि वह फिर फिल्मों में काम करें या ना करें, दर्शकों के जेहन से कभी उनका नाम नहीं मिटता। गिरिजा शेट्टार भी गीतांजलि से दर्शकों के दिलों पर ये छाप छोड़ने में सफल रहीं। गीतांजलि से दर्शकों के दिलों में घर कर लेने वालीं गिरिजा अब बड़े पर्दे से दूर हैं। तो चलिए जानते हैं कि गिरिजा अब कहां हैं और क्या कर रही हैं।

गीतांजलि में नागार्जुन के साथ जमी जोड़ी

1989 में रिलीज हुई क्लासिक फिल्म गीतांजलि, मणिरत्नम की कालजयी प्रेम कहानियों में से एक है, जिसमें नागार्जुन और गिरिजा शेट्टार मुख्य भूमिका में थे। गिरिजा ने गीतांजलि नाम की शरारती लड़की का रोल निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया था। लेकिन, आधी कन्नड़ और आधी ब्रिटिश एक्ट्रेस के लिए किस्मत ने कुछ और ही सोच रखा था। इस फिल्म के लगभग एक दशक बाद गिरिजा ने ए रघुरामी रेड्डी द्वारा निर्देशित उनकी दूसरी तेलुगु फिल्म हृदयांजलि साइन की, जिसे पूरी करने के कुछ ही समय बाद ही गिरिजा को निजी कारणों से लंदन वापस जाना पड़ा।

होश में थी सुष्मिता सेन जब हार्ट अटैक के बाद डाले जा रहे थे स्टेंट,इस वजह से नहीं लिया था एनेस्थीसिया

मिस यूनिवर्स 1994 और फेमस एक्ट्रेस सुष्मिता सेन हिंदी फिल्म उद्योग की सबसे प्रेरणादायक हस्तियों में से एक हैं। रेनी और अलीसा सेन की एकल माँ होने के नाते, उनका जीवन और पितृत्व तथा नारीत्व पर उनके विचार हमेशा से ही उनके प्रशंसकों के लिए एक प्रेरणा स्रोत रहे हैं। हाल ही में सेफएजुकेट की संस्थापक दिव्या जैन के साथ एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में सुष्मिता सेन ने अपने जीवन के कई पहलुओं पर खुलकर बात की, जिसमें परवरिष, दिल का दौरा पड़ना और उनकी क्राइम-थ्रिलर सीरीज आर्या शामिल है।

जीवन के प्रति सुष्मिता का दृष्टिकोण

27 फरवरी 2023 को दिल का दौरा पड़ने के गंभीर अनुभव को याद करते हुए सुष्मिता ने जीवन के प्रति अपने अटूट सकारात्मक दृष्टिकोण को साझा किया। उन्होंने पॉडकास्ट पर कहा, जब आपको दिल का दौरा पड़ता है और आप उस दौरान होश में होते हैं, तो आपको पता चलता है कि आप जीवन के दूसरे छोर पर पहुँचने के कितने करीब पहुंच गए हैं। वह मानती हैं कि एक बार जब आप इस अनुभव से पार पा लेते हैं तो आपको यह भी एहसास होता है कि आप अभी भी कितनी दूर हैं। उनका मानना था कि उनके बचने का कोई न कोई कारण जरूर था, इसलिए इस बारे में उदास होने का कोई मतलब नहीं है। अपने जीवन के मंत्र को दोहराते हुए उन्होंने कहा, मैं बस आगे बढ़ना जानती हूं। मेरे मन में सब कुछ क्षणभंगुर है।

जब एक्ट्रेस को पड़े स्टेंट

सुष्मिता सेन ने खुलासा किया कि दिल का दौरा पड़ने के दौरान और उसके बाद की स्टेंट प्रक्रिया के दौरान वह पूरी तरह से होश में थीं। स्टेंट एक ऐसी चिकित्सा प्रक्रिया है जिसमें अवरुद्ध कोरोनरी धमनी को खोलकर रक्त प्रवाह बहाल किया जाता है। अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि उन्हें बेहोश होना पसंद नहीं है, और उनका मानना है कि यही एक कारण है कि मैं हार्ट अटैक से बच पाई। उन्होंने एनेस्थीसिया लेने से इनकार कर दिया और डॉक्टरों से खास तौर पर दर्द को कम न करने के लिए कहा। वह पूरी प्रक्रिया के दौरान पूरी तरह सचेत रहीं और अपने डॉक्टरों से लगातार बातचीत करती रहीं।

आर्या के सेट पर वापसी का जुनून

जब उन्हें दिल का दौरा पड़ा, तब वह अपनी सफल सीरीज आर्या की शूटिंग के बीच में थीं। सुष्मिता सेन ने बताया कि उनकी पूरी टीम जयपुर में उनका इंतज़ार कर रही थी। वह अपनी जिम्मेदारी को लेकर बेहद सजग थीं, उन्हें पता था कि अगर वह जल्दी सेट पर नहीं पहुंचीं तो शूटिंग नहीं हो पाएगी, क्योंकि वह शो की मुख्य कलाकार थीं। उन्हें यह भी पता था कि सैकड़ों क्रू मेंबर्स की दिहाड़ी का भार उनके कंधों पर है। अपनी मजबूत इच्छाशक्ति के बावजूद, उन्हें डॉक्टरों की सलाह पर 15 दिन बाद ही वापस सेट पर जाने की इजाजत मिली। सुष्मिता सेन अब स्वस्थ हैं और आखिरी बार 2024 के अंत में रिलीज हुई आर्या 3 में नजर आई थीं।

खेल- समाचार

95 साल बाद होगा बड़ा कारनामा

स्टीव स्मिथ के नाम होगा खास मुकाम?

ब्रिसबेन,18 नवम्बर 2025। इंग्लैंड क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पर्थ पहुंच चुकी है, जहां दोनों टीमों के बीच एशेज 2025 का 21 नवंबर से आगाज होगा। इस मैच में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच जबरदस्त टक्कर होने की उम्मीद है। एक तरफ इंग्लैंड की ओर से जो रूट बल्ले से कमाल करने उतरेंगे, तो वहीं, मेजबान ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ पर भी सभी की निगाहें टिकी होंगी। इस मैच में वैसे तो दोनों ही स्टार बल्लेबाजों के पास कई बड़े कीर्तिमान बनाने का मौका होगा लेकिन स्टीव स्मिथ के निशाने पर एक ऐसा रिकॉर्ड होगा, जो 95 सालों से अब तक कायम है।

स्टीव स्मिथ के पास बेहतरीन मौका

दरअसल,स्टीव स्मिथ का एशेज में शानदार रिकॉर्ड है। स्मिथ एशेज में 37 टेस्ट मैच की 66 पारियों में 56.01 के औसत से 3417 रन बना चुके हैं। इसमें 12 शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं। स्मिथ अगर पर्थ टेस्ट में 220 रन बनाने में सफल होते हैं, तो वह इंग्लैंड के महान बल्लेबाज जैक हॉब्स को पछाड़ देंगे और एशेज के इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। जैक हॉब्स ने साल 1908 से 1930 के बीच एशेज में 41 टेस्ट मैचों की 71 पारियों में 3636 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 12 शतक और 15 अर्धशतक भी आए थे। साफ नजर आ रहा है कि 95 सालों से जैक हॉब्स जिस नंबर-2 की कुर्सी पर विराजमान हैं, वो छिनती नजर आ रही है।

5 भारतीय वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के फाइनल में

- » अरुंधति ने 3 बार की मेडलिस्ट को हराया
- » मीनाक्षी-अंकुश की विनिंग-स्ट्रीक जारी
- » नूपुर-परवीन की विजयी शुरुआत

नई दिल्ली,18 नवम्बर 2025। 5 भारतीय मुक्केबाजों ने ग्रेटर नोएडा में जारी वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के फाइनल में जगह बना ली। अरुंधति चौधरी ने पिछले 3 एडिशन में मेडल जीतने वाली जर्मन मुक्केबाज लियोनी मुलर को आरसीएस से हराया। आरसीएस वह स्थिति है, जब एक खिलाड़ी के घायल होने पर रेफरी खेल को रोक देता है।

अरुंधति के अलावा, मीनाक्षी, अंकुश फंगल, परवीन और नूपुर ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह पक्की की।

अरुंधति करीब डेढ़ साल के बाद कोई इंटरनेशनल टूर्नामेंट खेल रहीं थीं। उन्होंने शुरुआती दोनों राउंड में अग्रेसिव खेल दिखाया। फिर राउंड-2 में अपने पंच से जर्मन दिग्गज को रिंग पर गिरा दिया। राउंड-3 में फिर से पटखनी दी। यहां रेफरी को खेल बीच में रोकना पे I और अरुंधति को विनर घोषित कर दिया गया।

मीनाक्षी ने 5-0 की एकतरफा जीत दर्ज की

वर्ल्ड चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) ने कोरिया की बाक चो-रोंग पर लगभग 5-0 की शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने सटीक मुक्के लगाए, जिससे उन्हें तीनों राउंड जीतने में मदद मिली। अंकुश फंगल (80 किग्रा) ने ऑस्ट्रेलिया के मार्लन सेवेहोन को 5-0 से हराया।

नुपुर और परवीन ने पहला मैच जीता

नुपुर (80+किग्रा) ने यूक्रेन की मारिया लोवचिन्स्का को शुरू से अंत तक दबदबा बनाए रखा। परवीन (60 किग्रा) ने दिन का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए पोलैंड की वर्ल्ड बॉक्सिंग कप की सिल्वर मेडलिस्ट विनर राइगेल्स्का अनेटा एल्जबिएटा को 3-2 के कड़े मुकाबले में मात दी।

ओलिंपिक मेडलिस्ट से भिड़ेगी प्रीति

5वें सेशन में प्रीति (54 किग्रा) को ओलिंपिक मेडलिस्ट और 3 बार की वर्ल्ड चैंपियन हुआंग सियाओ-वेन के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। स्वीटी बूरा (75 किग्रा) का सामना ऑस्ट्रेलिया की एम्मा-सू ग्रीट्री से होगा। इसी तरह नरेंद्र और नवीन भी फाइनल में जगह बनाने की कोशिश में दिखेंगे। अभिनाश जामवाल अपने अभियान की शुरुआत यूक्रेन के एल्विन अलीयेव के खिलाफ खेलते हुए करेंगे।

बांग्लादेश ने टाल दिया भारत का दौरा

ढाका,18 नवम्बर 2025। वनडे और टी20 इंटरनेशनल मैचों की होनी थी सीरीज

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम इस वक्त साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही है, इसके बाद उसी के खिलाफ टीम इंडिया वनडे और टी20 इंटरनेशनल मैचों की भी सीरीज होनी है। वहीं बात अगर महिला टीम की करें तो हाल ही में वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाली महिला क्रिकेट टीम को दिसंबर में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे और टी20 मैचों की सीरीज खेलनी थी, जो अब टल गई है। भारत बनाम बांग्लादेश महिला टीमों की सीरीज दिसंबर में होनी थी,लेकिन अचानक पता चला है कि अब सीरीज टाल दी गई है।

कप्तान गिल को लेकर साफ हो गया मामला

नई दिल्ली,18 नवम्बर 2025। भारतीय क्रिकेट टीम को कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा था। इस तरह साउथ अफ्रीका की टीम 15 साल बाद भारत में टेस्ट मैच जीतने में सफल रही। अब दोनों टीमें 22 नवंबर से टेस्ट सीरीज के दूसरे और आखिरी मैच में आमने-सामने होंगी। यह मैच गुवाहाटी में खेला जाएगा। इस मैच से पहले टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर आई है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल टीम इंडिया के साथ गुवाहाटी जाएंगे। हालांकि, उनकी फिटनेस अभी भी टीम के लिए चिंता का सबब बनी हुई है।

दरअसल,कोलकाता टेस्ट के दौरान शुभमन गिल को चोट लग गई थी। गर्दन में ऐंठन के कारण गिल को भारत की पहली पारी के दौरान

रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान छोड़ना पड़ा था। इसके बाद वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने नहीं आ सके। इस बीच उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। हालांकि, उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी मिल गई लेकिन अब तक उनके दूसरे टेस्ट में खेलने की पुष्टि नहीं हुई है।

गिल टीम के साथ करेंगे यात्रा

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, 16 नवंबर की रात कोलकाता के वुडलैंड्स अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद से गिल टीम के साथ हैं। सूत्रों का कहना है कि भारतीय कप्तान बुधवार यानी 19 नवंबर) को टीम के साथ उड़ान भरने वाले हैं। एक सूत्र ने क्रिकबज को बताया कि यही पहले से प्लान था और अब तक इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिल टीम के साथ यात्रा करेंगे। ऐसे सुझाव थे कि वह स्पेशलिस्ट की राय लेने के लिए मुम्बई जाएं, लेकिन यह योजना रद्द कर दी गई है। BCCI और स्थानीय डॉक्टर उनकी हालत पर नजर रख रहे हैं। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स लगातार एक-दूसरे के संपर्क में हैं। यह स्पष्ट है कि सभी संबंधित पक्ष चाहते हैं कि गिल दूसरा टेस्ट खेलें। हालांकि, उनकी भागीदारी पर अंतिम फैसला मैच से एक दिन पहले लिया जाएगा।

नितीश रेड्डी की स्क्वॉड में हुई एंट्री

इस बीच सिलेक्टर्स ने दाएं हाथ के ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को कोलकाता बुलाया है। उन्होंने 17 नवंबर की देर रात टीम होटल में चेक-इन किया और बुधवार सुबह टीम के साथ गुवाहाटी के लिए उड़ान भरने वाले हैं।नितीश भारत ए की सीमित ओवरों की टीम के साथ राजकोट में थे, जो वर्तमान में साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ तीन मैचों की ODI सीरीज खेल रही है। ऐसा पता चला है कि उन्हें सोमवार देर शाम कोलकाता जाने के लिए कहा गया था, और वे तुरंत वहां पहुंच गए। नितीश मूल रूप से टेस्ट टीम का हिस्सा थे,लेकिन टेस्ट शुरू होने से पहले उन्हें टीम से निकाल दिया गया और राजकोट में सीमित ओवरों के मैच खेलने के लिए कहा गया। उन्होंने 13 और 16 नवंबर को खेले गए पहले दो मैचों में हिस्सा लिया, जिनमें भारत ने जीत हासिल की, लेकिन 19 नवंबर को होने वाले तीसरे मैच से पहले उन्हें वापस बुला लिया गया।

टीम इंडिया को जीत के लिए करने होंगे सख्त फैसले

नई दिल्ली,18 नवम्बर 2025। भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में 22 नवंबर से आमने सामने होने वाली हैं। सीरीज का पहला मुकाबला हारकर टीम इंडिया पीछे चल रही है। सीरीज चुंकि दो ही मैचों की है, इसलिए अगर भारतीय टीम ने दूसरा मैच ड्रॉ भी करा लिया तो सीरीज हार जाएगी। ऐसे में सीरीज बराबरी पर समाप्त करने के लिए अगले मैच में जीत ही एकमात्र विकल्प है। हालांकि ये जीत आसानी से तो नहीं मिलने वाली। इसके लिए टीम मैनेजमेंट को कुछ सख्त फैसले लेने होंगे। टीम इंडिया ने सीरीज के पहले मुकाबले में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए वॉशिंगटन सुंदर का भेज दिया था। जो कि एक गेंदबाज आलराउंडर के तौर पर अपनी पहचान रखते हैं। सुंदर नीचे के क्रम में जाकर रन बना सकते हैं, ये बात किसी से छिपी नहीं है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उन्हें तीसरे नंबर पर भेज दिया जाए। जो भी लोग टेस्ट क्रिकेट को समझते हैं, वो जानते हैं कि इस फॉर्मेट में नंबर तीन की पोजिशन कितनी अहम होती है। यही वजह रही कि सालों तक यहां पर दीवार के रूप में पहचान बनाने वाले राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा खेलते रहे।

मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष ने हॉकी मेन्स जूनियर वर्ल्ड कप ट्रॉफी 2025 का किया भव्य अनावरण

प्रदेश में प्रतिष्ठित ट्रॉफी का आगमन युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,18 नवम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विधानसभा परिसर से प्रतिष्ठित एफआईएच जूनियर मेन्स हॉकी वर्ल्ड कप 2025 की ट्रॉफी का अनावरण किया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप तथा उपमुख्यमंत्री अरुण साव भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि विश्व की प्रतिष्ठित एफआईएच जूनियर मेन्स हॉकी वर्ल्ड कप 2025 की चमचमाती ट्रॉफी पहली बार भारत टूर के तहत आज छत्तीसगढ़ पहुंची और विधानसभा परिसर में आयोजित गरिमामयी समारोह में इसका अनावरण किया गया। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि भारत में एफआईएच जूनियर वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन होना अत्यंत गर्व की बात है और इस ट्रॉफी का छत्तीसगढ़ आगमन राज्य के लिए विशेष सम्मान का अवसर है। उन्होंने हॉकी इंडिया के प्रति आभार जताते हुए कहा कि ट्रॉफी टूर देशभर में खेलों के प्रति उत्साह एवं प्रेरणा को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया द्वारा इस अभियान का शुभारंभ देश में खेल भावना को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ शुरू से ही हॉकी की उर्वर भूमि रहा है। राजनांदगांव, बस्तर, जशपुर, सरगुजा, रायपुर, बिलासपुर और कोरबा जैसे जिलों से बड़ी संख्या में बच्चे हॉकी खेल में अपना भविष्य संवार रहे हैं। ट्रॉफी का यहां आगमन राज्य के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल अधोसंरचना के विस्तार, प्रशिक्षण सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और उभरती प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है। साय ने कहा कि यह ट्रॉफी दुनिया के श्रेष्ठ खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और सपनों का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर हॉकी इंडिया, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ और छत्तीसगढ़ हॉकी को बधाई और शुभकामनाएं भी दी। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने ट्रॉफी के भव्य अनावरण के लिए छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ और छत्तीसगढ़ हॉकी के पदाधिकारियों और खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव विक्रम सिसोदिया, संघ के अन्य पदाधिकारी, हॉकी संगठन के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

भारत पहली बार बनेगा जूनियर वर्ल्ड कप का मेजबान

गौरतलब है कि एफआईएच हॉकी जूनियर मेन्स वर्ल्ड कप 2025 की मेजबानी भारत पहली बार कर रहा है। प्रतियोगिता 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलेगी और तमिलनाडु के चेन्नई व मदुरै में आयोजित की जाएगी।

राष्ट्रपति मुर्मु ने रायपुर जिले को किया सम्मानित

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह एवं नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने ग्रहण किया सम्मान

रायपुर,18 नवम्बर 2025। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने रायपुर जिले को जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए आज विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में पुरस्कृत किया। यह पुरस्कार कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप ने ग्रहण किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन में जल संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी की दिशा में एक ऐतिहासिक सफलता अर्जित करते हुए रायपुर जिला प्रशासन एवं रायपुर नगर निगम को जल संचय जन भागीदार 1.0 अभियान का पुरस्कार प्रदान किया गया है। राष्ट्रपति द्वारा पहली बार इस श्रेणी में पुरस्कार दिया है। देश भर कर निगमों में रायपुर नगर निगम प्रथम, रायपुर जिला ईस्टर्न जोन के कैटेगरी 01 में तीसरा तथा राज्यों में छत्तीसगढ़ ने द्वितीय स्थान हासिल किया। राष्ट्रीय स्तर पर यह उपलब्धि रायपुर जिला प्रशासन ने स्थानीय निकाय और जन समुदाय के संयुक्त भागीदारी से उल्लेखनीय पहल करते हुए जल संरक्षण का जन आंदोलन का रूप दिया। निगमों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए रायपुर नगर निगम ने 33,082 कार्य पूर्ण किये, जिला रायपुर ने 36,282 कार्य पूर्ण किए एवं छत्तीसगढ़ ने 4,05,563 कार्य किए। जिसमें, रेन वाटर हार्वेस्टिंग,रिचार्ज पिट्स, अमृत सरोवर, टॉप डैम और परकोलेशन टैंक का निर्माण शामिल है। साथ ही तरल अपशिष्ट प्रबंधन में रायपुर में 4 एसटीपी से 206 एमएलडी क्षमता विकसित की गई, और 9 औद्योगिक इकाइयों को 125.849 एमएलडी शुद्ध जल की आपूर्ति सुनिश्चित की गई। रायपुर नगर निगम के प्रत्येक वार्ड में वर्षा जल संचयन और रिचार्ज पिट्स का निर्माण किया गया । शहर के आसपास 20 से अधिक नए सरोवरों का पुनर्जीवन कार्य किया।

फर्जी छापेमारी की गई महापौर के घर के सामने,संदिग्ध की तलाश में पुलिस

धमतरी,18 नवम्बर 2025। धमतरी शहर में बुधवार को शाम उस समय हड़कंप मच गया जब शहर के जाने-माने पैथोलॉजिस्ट डॉ. दिलीप राठौर के घर सात संदिग्ध लोग आयकर विभाग के अधिकारी बनकर घुस गए। बिना किसी नोटिस,पहचान-पत्र या आधिकारिक दस्तावेज़ दिखाए ये सभी करीब एक घंटे तक घर में तलाशी लेते रहे। अलमारी से लेकर जेवरात और निजी कागज़ात तक खंगालने के बाद संदिग्ध बिना किसी जब्ती की सूची या कार्रवाई का विवरण छोड़े चुपचाप लौट गए। घटना की सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मामला और भी संदिग्ध हो गया है। ये वारदात धमतरी की जानी मानी विवेकानंद कॉलोनी में हुई है, जहां ठीक सामने शहर के महापौर का निवास भी स्थित है। ऐसे सुरक्षित इलाके में बिना अनुमति, बिना डर और बिना पहचान बताए संदिग्धों का इस तरह घुसकर तलाशी लेना क्षेत्र की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। सीसीटीवी फुटेज में कैद हुआ है कि बुधवार शाम करीब सात लोग सफेद डिज़ायर कार से राठौर दंपति के घर पहुंचे। जैसे ही मुख्य दरवाज़ा खुला, उन्होंने खुद को इनकम टैक्स ऑफिसर बताकर घर में घुसे और छापेमारी के नाम से पूरे परिवार को डराया। घर के अंदर प्रवेश करते ही सभी ने अलग-अलग कमरों में जाकर अलमारियाँ, दस्तावेज़, गहने सहित कई चीज़ों की खोजबीन की। तलाशी पूरी लगभग एक घंटे से अधिक चली। इसके बावजूद न कोई नोटिस दिया गया, न ही कोई अधिकारी पहचान-पत्र दिखाया गया। ये बात इस पूरी घटना को और भी संदिग्ध बनाती है।

रेलवे ट्रैक में 16 बकरा-बकरी और महिला मृत मिले

बलौदाबाजार,18 नवम्बर 2025। जिले के बोरतरा फाटक के पास ट्रेन की चपेट में आने से महिला और 16 बकरा-बकरी की मौके पर मौत हो गई। बलौदाबाजार जिला के थाना भाटापारा ग्रामीण क्षेत्र अंतर्गत बोरतरा फाटक के पास कल एक चरवाहा महिला अपने बकरा बकरियों को चरा कर अपने घर जा रही थी। इसी दौरान पटरी पार करते ट्रेन की चपेट में आने से महिला और उसके साथ 16 बकरा-बकरी की मौके पर मौत हो गई। सूचना पर मर्ग कायम कर पंचनामा जांच में लिया गया है। इस खबर पर लगातार अपडेट जारी है।

छत्तीसगढ़ एसआईआर वर्किंग में 12 राज्यों में 10वें नंबर पर

रायपुर,18 नवम्बर 2025। देश के 12 राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया जारी है। भारत निर्वाचन आयोग एसआईआर प्रक्रिया की हर दिन मॉनिटरिंग कर रहा है और जरुरी निर्देश दिए जा रहे हैं। एसआईआर वर्किंग की रैंकिंग भी की जा रही है। एसआईआर वर्किंग में छत्तीसगढ़ 10वें नंबर पर है। सबसे अच्छा परफार्मेंस वाले राज्यों में गोवा पहले नंबर पर है। चुनाव आयोग ने 17 नवंबर के दोपहर 3 बजे तक की स्थिति जारी की है। छत्तीसगढ़ में अब तक 97% फॉर्म वितरित हुए हैं। जिसमें 6.61% फॉर्म डिजिटलाइज हो चुके हैं।

छत्तीसगढ़ में 97.67 प्रतिशत फॉर्म वितरित

भारत निर्वाचन आयोग के जारी आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में 2 करोड़ 7 लाख 36 हजार 241 मुद्रित गणना फॉर्म है। इनमें से 97.67 प्रतिशत फॉर्म का वितरण हो चुका है। इनमें से 14 लाख 2 हजार 544 यानि 6.61 प्रतिशत डिजिटलाइज हो चुके हैं। चुनाव आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 12 राज्यों के 50 करोड़ 97 लाख 84 हजार 423 वोटर्स में से 50 करोड़ 11 लाख 75 हजार 907 मतदाताओं को गणना पत्रक बांटे जा चुके हैं। इनमें से 4 करोड़ 42 लाख 64 हजार 69 मतदाताओं की गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है, जो कुल मतदाता संख्या का 8.68 प्रतिशत है। सभी 12 राज्यों में गणना पत्रक वितरण का प्रतिशत 98.32 है।

14 दिसंबर से शीतकालीन सत्र...4 दिनों तक चलेगा

भूपेश से चंद्राकर बोले...आपकी अच्छी योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी,लेकिन आप में आग अब भी है...

रायपुर,18 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र 14 दिसंबर से शुरू होगा, जो 17 दिसंबर तक यानी 4 दिनों तक चलेगा। 14 दिसंबर को विकसित भारत 2047 पर चर्चा की जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बताया कि चार दिवसीय सत्र नए विधानसभा भवन में आयोजित होगा। अधिसूचना जारी होना बाकी है। इस दौरान अजय चंद्राकर ने रमन कार्यकाल को स्वर्णिम युग बताया। वहीं भूपेश से कहा कि आपके मन में कुछ करने की आग थी, लेकिन आपने योजनाओं को बजट, संसदीय स्वीकृति नहीं दी। आपकी अच्छी योजनाएं भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। बदनामी आपके हिस्से आई, लेकिन आप में आग अब भी है। वहीं मंगलवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा के पुराने भवन में विशेष सत्र बुलाया गया था, जिसमें 25 साल की संसदीय यात्रा पर चर्चा की गई। इस दौरान पक्ष-विपक्ष के सदस्य सदन में मौजूद रहे, जिन्होंने अपने अनुभव, संसदीय स्मृतियां और विधानसभा से जुड़ी यादें साझा की।

रजत जयंती में योगदान देने वाले नेताओं को श्रद्धांजलि : इस बीच, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधानसभा की रजत जयंती में योगदान देने वाले तीन दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने रायपुर की पहली महिला विधायक रजनी ताई उपासने, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष बनवारी लाल अग्रवाल और समर्पित जनप्रतिनिधि राधेश्याम शुक्ला के योगदान को याद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर की पहली महिला विधायक रजनी ताई उपासने को राजनीति और समाज सेवा के क्षेत्र में प्रेरणादायक व्यक्तित्व बताया। उन्होंने कहा कि उनका निधन राज्य के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

विधायकों का समूह फोटो भी लिया गया...

इसके साथ ही विशेष सत्र में मौजूदा विधानसभा के सभी विधायकों का एक समूह फोटो भी लिया गया। इसे विधानसभा की 25वीं वर्षगांठ का प्रतीकात्मक दस्तावेज माना जाएगा। इसके अलावा सदन में विधायकों के अनुभव को रिकॉर्ड करने की योजना भी बनाई गई, ताकि यह दस्तावेज विधानसभा की ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा बने। दिनभर चलने वाली कार्यवाही के बाद सदन को शीतकालीन सत्र तक स्थगित कर दिया गया है। नया सत्र 14 दिसंबर से नए विधानसभा भवन में शुरू होगा। अगली बैठक की तिथियां तय हो गई हैं। हालांकि अभी अधिसूचना जारी होना बाकी है। इसी तरह आज का विशेष सत्र छत्तीसगढ़ विधानसभा के 25 साल के संसदीय इतिहास का सम्मान करने और भविष्य में बेहतर संसदीय कार्य संचालन की दिशा तय करने का अवसर बना।

सरकारी कर्मचारी ने आवास योजना का लिया लाभ और छत में लगवाया मोबाइल टावर भी,पीएम मोदी से हुई शिकायत

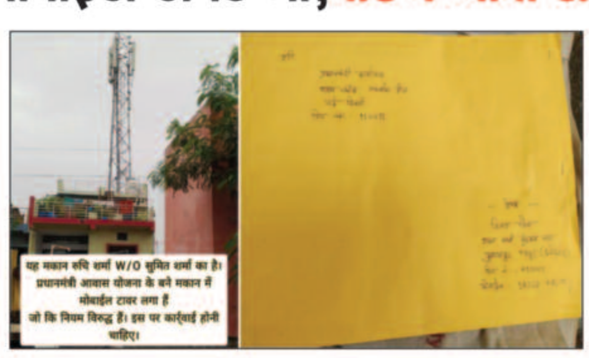

रायपुर,18 नवम्बर 2025। एक तरफ छत्तीसगढ़ सरकार कहती हैं सुशासन हैं, लेकिन यहाँ सुशासन नहीं कुशासन हैं। इतना आवेदन देते हैं कोई काम नहीं होता। जोन क्रमांक 05 के अंतर्गत वामनराव लाखे वार्ड क्र. 66 के कुशालपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना में बहुत गड़बड़ी हुई हैं। रुचि शर्मा W/O सुमीत शर्मा जो कि एक शासकीय कर्मचारी है और इन्हे आवास योजना का लाभ दिया गया है और रुचि शर्मा ने अपने मकान के ऊपर मोबाइल टावर भी लगा रखा है जो कि नियम विरुद्ध है। मेरे घर के सामने वाला मकान मेरे घर से छोटा है, लेकिन उसका मकान पास हो गया है, और मेरा मकान में क्षेत्रफल में कम लिखा हुआ हैं कहकर आर्किटेक्ट और व निगम के अधिकारी ने मुझे आवास योजना से वंचित कर दिया। मेहतरु लाल कन्नौजे, पूरन लाल साहू और खोरबाहरा राम यादव के 4-4 पुत्रो को इस योजना का लाभ दिया जा सकता है तो मुझे PMAY का लाभ क्यों नहीं मिल सकता। जब सरकारी कर्मचारी रुचि शर्मा W/O सुमीत शर्मा का PMAY के तहत् मकान निर्माण हो सकता हैं,और उनके घर में मोबाइल टावर भी लग चुका हैं, तो मेरा मकान क्यों नहीं बन सकता। तालाब,डबरी के किनारे मकान नहीं बन सकता तो फिर कैसे छुईय्या तालाब और डबरीपारा में मकान बन गया हैं। जब तालाब,डबरी में मकान बन सकता हैं तो मेरा मकान क्यों नहीं बन सकता। किसी ट्रस्ट की जमीन में नही बन सकता तो फिर कैसे जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट की जमीन में प्रधानमंत्री आवास योजना का मकान बन गया? इससे पूर्व निगम आयुक्त,जिला कलेक्टर,सांसद, विभागीय सचिव,विभागीय मंत्री राज्य शासन के सुशासन शिविर में भी आवेदन दिया गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जब 1 वार्ड में इतना भ्रष्टाचार हुआ है तो फिर 70 वार्ड में कितना भ्रष्टाचार हुआ होगा इसका अंदाजा आप लगा सकते है। कुल मिलाकर आर्किटेक्ट, इंजीनियर,पटवारी व निगम के अधिकारियो के द्वारा भारी लेन-देन करके नियम विरुद्ध कार्य किया गया हैं। ऐसे गड़बड़ी करने वाले दोषी अधिकारियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होना चाहिए।

मालगाड़ी खराब हुई रेलवे क्रॉसिंग के पास ही,लोग हुए परेशान

कोरबा,18 नवम्बर 2025। ट्रांसपोर्ट नगर और शारदा विहार स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर जाम की समस्या गंभीर होती जा रही है। हाल ही में एक मालगाड़ी का इंजन फेल हो जाने से फाटक पर ट्रेन अटक गई, जिसके कारण लगभग दो घंटे तक यातायात ठप रहा। इस जाम में स्कूल-कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स, नौकरीपेशा लोग और व्यापारी फंस गए। स्थानीय नागरिकों ने इस स्थिति पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यह समस्या अब दैनिक सिरदर्द बन चुकी है। लंबे समय से इन दोनों रेलवे फाटकों पर ऐसी दिक्कतें आ रही हैं, लेकिन रेलवे की ओर से समाधान के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। उद्योगों का कहना है कि कोयले की आपूर्ति के लिए उनका रेलवे से समझौता है,इसलिए लॉजिस्टिक प्रबंधन और तकनीकी समस्याओं को दूर करना रेलवे की जिम्मेदारी है। बताया गया है कि माल गाड़ियों में क्षमता से अधिक वैगन जोड़ने और भारी रैक चलाने से इंजन ओवरलोड होकर फेल हो जाते हैं, जिससे फाटक बंद रहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कवासी लखमा की जांच में देरी पर उठाए सवाल,ईडी से मांगा जवाब...

रायपुर,18 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय को फटकार लगाई। अदालत ने लखमा की जांच में देरी पर सवाल उठाते हुए पूछा कि आखिर ऐसी कौन-सी जांच बाकी है, जो दस महीनों में भी पूरी नहीं हो सकी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगर जांच अधूरी है तो यह भी बताया जाए कि उसे पूरा करने में कितना समय और लगेगा। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि जब ईडी बेल का विरोध कर रही है, तो फिर जांच इतने लंबे समय तक क्यों लंबित है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि जांच अधिकारी व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करें और बताएं कि पूर्व मंत्री कवासी लखमा के खिलाफ कौन-सी जांच अभी भी जारी है। कवासी लखमा को ईडी ने 15 जनवरी 2025 को गिरफ्तार किया था। उसके बाद ईओडब्ल्यू ने भी उन्हें हिरासत में लिया। वे लगभग दस महीने से जेल में हैं और हाल ही में उनकी तबीयत भी बिगड़ी है,जिस पर कांग्रेस ने उनके इलाज की मांग की है। इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने आबकारी विभाग के अधिकारियों को मिली अंतरिम गिरफ्तारी सुरक्षा को भी स्थायी कर दिया है। यह आदेश मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान सुनाया गया। का आरोप है कि कवासी लखमा शराब सिंडिकेट का अहम हिस्सा थे और उनकी सहमति से ही कई नीतिगत फैसले लिए गए। एजेंसी का दावा है कि लखमा को तीन साल तक हर महीने लगभग दो करोड़ रुपये की राशि मिली, जिसका उपयोग उनके बेटे के घर और सुकमा कांग्रेस भवन के निर्माण में हुआ।

डीकेएस अस्पताल के छात्रावास का शुल्क आधा कितना किया एमआरआई और सीटी स्कैन का शुल्क

रायपुर,18 नवम्बर 2025। राजधानी स्थित पं.जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय और डीकेएस अस्पताल के स्वशासी समिति की सामान्य सभा की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इनमें मेडिकल कॉलेज के 200 छात्रों के लिए छात्रावास भवन बनाने, गरीब और बुजुर्गों का सिटी स्कैन निःशुल्क करने तथा अन्य मरीजों के लिए एमआरआई का शुल्क दो हजार और एक हजार रुपए में सीटी स्कैन करने का निर्णय लिया गया है।

साथ ही डीकेएस अस्पताल के छात्रावास का शुल्क पांच हजार रुपये से घटाकर ढाई हजार रुपये करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा'विभिन्न विभागों को दिए जाने वाले इंप्रेशन मनी की राशि को प्रति मांगपत्र 10 हजार से बढ़ाकर एक लाख करने की घोषणा की गई है। बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की। मंत्री ने कहा कि अस्पताल में किसी भी मरीज को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में विलंब नहीं होना चाहिए। अति आवश्यक सामग्रियों उपकरण/रियेजेन्ट/केमिकल/डिस्पोजेबल सामग्रियां इत्यादि जिनके मांगपत्र सीजीएमएससी को प्रेषित किये गए हैं, उन सामग्रियों की आपातकालीन आवश्यकता होने पर क्रय किये जाने की वित्तीय शक्ति प्रदत्त करने का अनुमोदन किया। स्वास्थ्य मंत्री ने पेट सीटी स्कैन तथा गामा कैमरा की सुविधा मरीजों को प्रदान किये जाने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए तीन महीने के अंदर इस सुविधा को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त व्यवस्था बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

बीपीएल और बुजुर्गों का निःशुल्क : ओपीडी में आने वाले मरीजों के सीटी स्कैन एवं एमआरआई जांच की दर को पुनरीक्षित करते हुए एपीएल (गरीबी रेखा से ऊपर जीवन यापन करने वाले) मरीजों को एमआरआई जांच हेतु 2000 रुपये एवं सीटी स्कैन जांच हेतु 1000 राशि करने का निर्णय लिया। बीपीएल मरीजों तथा 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए ओपीडी में जाँच सुविधा निशुल्क रहेगी। बैठक में सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं विधायक सुनील सोनी स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया, संभाग आयुक्त महादेव प्रसाद कांवरे, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा शिखा राजपूत तिवारी, सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक रितेश अग्रवाल, संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ. यू. एस. पैंकरा, रायपुर मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. विवेक चौधरी, अम्बेडकर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर, डीकेएस अस्पताल प्रबंधन समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)